54th Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

July, 2017 No. 07 Vol XXXXXIVII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,120 शकसंवत् 1939

आषाढ़-श्रावन 2074 दयानन्दाब्द 194 कलि संवत् 5119

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 09322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SURESH JAIN

MOB : 09974399944 (DELHI)

Sub-Editor

MANOJ AWASHTI

MOB : 09891153495 (GHAZIABAD)

नीति समाचार के लिए केवल -niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/ BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''दूसरों के भरोसे जिन्दगी जीने वाले लोग हमेशा दुखी रहते हैं। इसलिए अगर हम सुखी जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी चाहिए।''

CONTENTS

1. सम्पादकीय 4
2. संगठन के झरोखे से 5
3. रीजनल कार्यशाला 6
4. रीजनल कार्यशाला में मार्गदर्शन भार्गवभाई भट्ट 7
5. स्वाथ्य 8
6. आओ कुछ हंस लें 15
7. रक्तदान महाअभियान 16
8. बुलेट समाचार 17
9. विविध गतिविधियाँ 18
10. अपनेपन का अहसास 26

जुलाई मास के पर्व

04 : विवेकानन्द पुण्य तिथि,
09 : गुरु पूर्णिमा, वेद व्यास जयन्ती,
10 : भारत विकास परिषद् स्थापना दिवस,
21 : महाशिवरात्रि (श्रावन),
23 : बाल गंगाधर तिलक जयन्ती,
26 : हरियाली तीज,
30 : गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती,
31 : शहीद उधम सिंह पुण्य तिथि,

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com, niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

राष्ट्रवादी सरकार के तीन साल कब गुजर गये पता ही नहीं चला। इस काल में विदेशों में भारतीय छवि में जबरदस्त सुधार, वैश्विक धरातल पर भारत की मान्यता, भारतीय मूल के लोगों को गर्व करने लायक वातावरण, अप्रवासी भारतीयों की हर कठिनाई में सरकार का साथ, हमारे गौरव के विषय रहे। वैश्विक संस्थाओं में भारत की प्रभावी उपस्थिति, विश्व कल्याण की हमारी मान्यता की सर्व स्वीकार्यता तीन साल की उपलब्धियाँ हैं। जन सामान्य के लिए कल्याणकारी योजनाओं की एक लम्बी सूची है। नोट बंदीकरण, जी.डी.पी., बैंक ब्याज दर, जी.एस.टी. आदि अनेक विषय सरकार की सफलता के सूचक हैं।

कुछ सियासी विषय जैसे गोवंश की रक्षा, राम मंदिर निर्माण, कश्मीर के बारे में सरकार की नीति, आरक्षण आदि मुद्दों पर सरकार के सधे हुए कदम और प्रतिक्रियाएं, नेतृत्व की सफलता के उदाहरण हैं। सीमा पर सैनिकों का मनोबल और ऑपरेशन, आतंकवादियों के पस्त होते हौसले नागरिकों के लिए गर्व की विषय है। राजनैतिक विरोधी, गहरी हताशा में है ासतौर पर उत्तर प्रदेश चुनाव के बाद। हताशा के इस वातावरण में वामपंथी दल राजनैतिक प्रतिशोध और अराजकता का वातावरण निर्माण करने में लगे है। केरल में राजनैतिक हत्याओं का दौर तथा पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी मुसलमानो के तुष्टिकरण के प्रयोग, राजनैतिक विरोधियों की प्रताड़ना के समाचार लगातार मिलते हैं तात्कालिक रूप से किसानों की समस्याओं के निराकरण में देरी, कर्ज माफी के विषय पर ऊहापोह और राजनैतिक दलों की साजिश का परिणाम है, जून में चला किसानों का उग्र आन्दोलन।

उपरोक्त सभी प्रकरणों में मीडिया की भूमिका राष्टीयहितों के दृष्टिकोण से संदेह के घेरे में रही। मीडिया का उद्देश्य होता है। (1) घटित घटनाओं की जानकारी देना। (2) समाचारों की विश्लेषण करना। (3) मनोरंजन करना। दुर्भाग्य से राष्ट्रीय मीडिया अपने दर्शकों को निष्पक्ष समाचार और विश्लेषण देने में असफल रहा है। कश्मीर में होने वाली छोटी बड़ी घटनाओं पर मीडिया का दृष्टिकोण सदैव नकारात्मक रहा। मेजर गोगोई का प्रकरण हो अथवा आतंकवादियों से निपटने की कोई घटना हो। मानवाधिकारवादियों को बहस का एक बहाना मिल जाता है। बहरहाल! देश जिस गति से ऊँचाईयों को छू रहा है। समस्याओं की गहराई और दुष्परिणाम भी उसी गति से दृष्टिगत हो रहे हैं। जिस भारतीय सेना के जवानों और उसके पराक्रम पर जनता नाज करती है। राजनैतिक विदूषक उनकी तुलना जनरल डायर से करते हैं। वे देश की अखण्डता और संस्कृति की खिल्ली उड़ाने का ही काम करते हैं। काश ये कथित वामपंथी नेता अपने आकाओं के अद्यतन व्यवहार से कुछ सीख ले पाते। दुनिया की एक बड़ी ताकत बनने को वेचैन चीन ने देशहित के लिए अपने एक प्रदेश में बहुसंख्यक समुदाय के लोगों पर सद्दाम गद्दाफी, मोहम्मद जैसे नाम रखने और बुर्का, हिजाब, गोल टोपी पर पूरी पाबन्दी लगा दी। अन्तर्राष्ट्रीय मुस्लिम भाईचारा एक दिवा स्वप्न बन गया है। अनेक मुस्लिम देशों में तीन तलाक नहीं है, शरिया कानूनों की मान्यता नहीं है, इन्डोनेशिया जैसे इस्लामी देश राम को अपना पूर्वज मानते है, तो भी वे इस्लामी देश हैं। भारत में रहने वाले मुसलमान केवल हिन्दू और हिन्दुत्व के विरोध की ही राजनीति करते हैं। गो वंश की हत्या, गो मांस भक्षण, तीन तलाक आधुनिक शिक्षा विषयों पर मुस्लिम समाज की जागरूकता शनैः शनैः सबका साथ, सबका विकास करेगी।

परिषद् का स्थापना दिवस (10 जुलाई) इस वर्ष हमारे लिए कुछ विशेष प्रयोजन लेकर आया है। रक्तदान केवल एक अभियान नहीं है। यह परिषद् के सामाजिक परिर्वतन के लक्ष्य एवं सामाजिक संवेदनशीलता का बड़ा माध्यम बनेगा। मीडिया की सक्रियता दूरदर्शन, फेसबुक, कारपोरेट जगत में परिषद् की दस्तक, डाक्यूमेन्ट्री, नुक्कड़ नाटक आदि के प्रचारात्मक साधन इस अभियान को अंतिम व्यक्ति का सहारा बनने में सहयोगी होंगें। यूट्यूब पर परिषद् के मिशन को आगे बढ़ाने के प्रयास विचाराधीन है। डॉ. सूरज प्रकाश जी ने जो सपना 1963 में देखा होगा उस सपने को पूरा करने का समय आ गया है। हम सौभाग्यशाली है कि हमें परिषद् के सेवा मार्ग के द्वारा समाज में परिवर्तन का सपना पूरा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। इस स्वर्णिम अवसर पर लक्ष्य प्राप्ति के लिए पूरी ताकत से, पूरे समर्पण से, पूरी सक्रियता से जुट जाएं। यही पाथेय है। –**सम्पादक**

कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया की एक अनिवार्य शर्त है सीखने की संकल्प शक्ति का निरन्तर विकास। कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया के तीन प्रमुख घटक है। 1. सहयोग एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता (जो आपको समर्पण के लिए प्रेरित करें) 2. संगठन की कार्य पद्धति और वातावरण (यह परिस्थिति सापेक्ष है) 3. चयनित क्षेत्र में आपकी योग्यता। कार्यकर्ता निर्माण समयबद्ध प्रक्रिया नहीं है। यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है। सामाज सेवा में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार यागदान करना होता हैं अपना निर्धारित कार्य करते रहे। अन्य कार्यकर्ताओं से तुलना न करें यदि अपनी सन्तुष्टि के लिए काम कर रहे है तो आपके मन में निराशा का भाव नहीं आवेगा।

रीजनल दायित्वधारियों से – अप्रैल, 2017 से रीजनल, प्रान्त और जिले की कार्यशालाएँ, दायित्वग्रहण आदि कार्यक्रमों की झड़ी लगी रही। दायित्वों का निर्धारण हो गया। अनेक कार्यकर्ताओं के दायित्व परिवर्तन हो गये, लेकिन मैं वहीं करूँगा जो मुझे प्रिय है, अच्छा लगता है। शाखा के दायित्व ग्रहण में 8–10 तक वाहरी दायित्वधारियों की उपस्थिति क्या उचित है? रीजनल पदाधिकारियों की उपस्थिति केवल कार्यशाला, प्रान्तीय परिषद्, जिला बैठक तक ही सीमित रह गई है। क्या यही अपेक्षित है। कभी–कभी पदाधिकारियों की योगदान, आख्या का विश्लेषण करते समय ऐसा लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में हमारी उपस्थिति ही हमारे योगदान का मापदण्ड है। इस पर विचार करना चाहिए।

शाखा टीम से – समाज सेवा के व्यापक अर्थ में व्यक्तिगत लाभ को छोड़ कर जो कार्य किया जाता है, समाज सेवा ही कहलाता है। इस दृष्टि से गाय को रोटी खिलाना, प्यासे को पानी पिलाना, रोगी को दवा देना, अनपढ़ को पढ़ाना सेवा के ही उपादान हैं साधन सम्पन्न प्रबुद्ध वर्ग की संस्था के रूप में परिषद् के सेवा कार्यों का स्वरूप क्या हो इसका विचार करना चाहिए। शाखाओं से जो समाचार प्राप्त होते हैं उनकी वानगी देखिए। सदस्य के घर में कुछ परिवार बैठकर सुन्दरकांड का पाठ, किसी विद्यालय में जाकर, अस्पताल में जाकर फल वितरण, दवा वितरण, ड्रेस वितरण, स्टेशनरी वितरण, स्कूल के लिए अपेक्षित साधन उपलब्ध कराना। परिवार मिलन में बच्चों की अभिरूचि, योग्यता, गुणों का विकास करने की स्पर्धा। तीज त्यौहार, सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रतियोगिता, धार्मिक आयोजनों में जल सेवा, प्रशाद वितरण आदि कार्यक्रमों से कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि करने की प्रवृति में निरन्तर वृद्धि हो रही है। ऐसी परिस्थिति में हमें यह सोचने पर विवश होना पड़ता है कि परिषद् में कार्यक्रमों का उद्देश्य क्या है। संस्कार और सेवा के कार्यक्रमों से समाज में परिवर्तन लाना। परिवर्तन किसी एक कार्यक्रम से या एक बार के कार्यक्रम से नहीं आता, इसके लिए सतत प्रयास करने पड़ते हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार चिकित्सा शिविर, दवा वितरण, जांच शिविर करने से स्वास्थ्य के क्षेत्र में परिवर्तन आता है। विद्यालय में नशा मुक्ति, बेटी बचाओ, गुरु वन्दन, भारत को जानो, समूहगान करने से संस्कारित युवाओं का निर्माण होता है। विचार करें कि शाखाएँ ऐसे कार्यक्रमों में कितनी निरन्तरता से प्रयास करती है। प्रयास करें कि आपके परिश्रम से समाज में परिवर्तन के दीप जले। केवल फोटो छपना, प्रशंसा होना, श्रेय मिलना, मंच का लोभ होना, परिषद् का उद्देश्य नहीं है। – **डॉ. एस.सी.गुप्ता**।

महाराणा प्रताप जयन्ती पर विशेष –

1. महाराणा प्रताप एक ही झटके में घोड़े समेत दुश्मन सैनिक को काट डालते थे।
2. अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने भारत दौर पर आते अपनी माँ से पूछा तुम्हारे लिए क्या उपहार लाऊँ। माँ ने कहा कि वीर भूमि हल्दी घाटी से एक मुट्ठी धूल लेकर आना। जहाँ का राजा प्रजा का इतना वफादार था कि उसे आधे हिन्दुस्तान की सल्तनत के वजाए अपनी मातृ भूमि को चुना। बदकिस्मती से लिंकन का दौरा रद्द हो गया। लेकिन प्रेसिडेट यू.एस.ए. पुस्तक में यह किस्सा वर्णित है।
3. महाराणा प्रताप ने जब महलों का त्याग किया तो लुहार जाति के लोगों ने भी घर छोड़ दिया और सेना के लिए तलवारे बनाई। इस जाति को गठिया लोहार कहा जाता है।
4. युद्ध के 300 साल बाद भी हल्दी घाटी की जमीन से तलवारों के भंडार मिलते हैं। आखिरी बार यह जखीरा 1985 में मिला था।
5. महाराणा प्रताप के देहान्त पर अकबर भी रो पड़ा था।
6. महाराणा प्रताप के भाले का वजन 80 किलो, कवच का वजन 80 किलो था। तलवार, ढ़ाल, भला और कवच का कुल वजन 207 किलो था। आज भी यह उदयपुर के राज घराने के संग्राहलय में सुरक्षित है।

रीजनल कार्यशाला

पश्चिम रीजन : होटल कैम्बे सफायर के सभागार में सम्पन्न पश्चिम रीजन कार्यशाला में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एस.एम. सोनी ने कहा कि दान सदैव पात्र को देना चाहिए। सहायता के लिए सम्पर्क और समय का नियोजन करना होता है। खाली व्यक्ति हमेशा खाली रहता है। कार्यशाला में हम प्रशिक्षण लेते हैं। समस्या के समाधान के लिए कार्यशाला में प्रशिक्षण लेते हैं। जिम्मेदारी के कारण व्यवहार में परिवर्तन होता है। कार्यकर्ता को संस्था के प्रति विश्वास पात्र होना चाहिए। इसलिए कार्यशाला में समस्या का समाधान अपेक्षित है।

कार्यशाला में 40 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। चेयरमेन सेवा श्री यशपाल गुप्ता ने विभिन्न सेवा कार्यों में सवैदनशीलता, चिकित्सा शिविर, नेत्र जांच एवं प्रत्यारोपण तथा निर्धन परिवारों को स्वावलम्बन के लिए कोशिश करनी चाहिए। नीति के सम्पादक ने देश में एक रूप संचार सेवाओं पर बल देते हुए व्हाट्सएप, फेसबुक, ई-मेल तथा वेबसाइट बनाने पर बल दिया। परिषद् के क्रिया कलापों में प्रचार-प्रसार पर बल दिया। परिषद् के लक्ष्य तथा आख्या में एकरूपता के लिए आख्या पत्रकों पर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान महाभियान में Logo lunching (प्रतिक चिन्ह का अनावरण) तथा स्थापना दिवस से वर्ष में 1 लाख यूनिट रक्तदान एवं 5 लाख रक्तदाताओं का डाटा वेस बनाने का का लक्ष्य पूरा करने का संकल्प लिया। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन तथा भारत को जानो के चेयरमेन श्री नीरज गुप्ता, राष्ट्रीय समूहगान के चेयरमेन डॉ. शुभकरण जैन ने रीजनल सचिवों के द्वारा प्रकल्पों को चलाने पर बल दिया।

समय प्रबन्धन पर श्री मुकेश जी ने टिप्पणी प्रस्तुत की। संस्कृति समूहगान के कारण हिन्दी गानों में स्कूलों की सहभागिता पर भी प्रश्न किये गये। गुजरात में विना वाद्य यंत्र तथा बड़े समूह में गीत गायन के प्रभावों का वर्णन किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन ने प्रवास के द्वारा उत्साहवर्धक वातावरण बनाने का आग्रह किया। सम्पर्क के लिए समाज के विशिष्ट लोगों की सूची बनाना और परिषद् के साथ जोड़ना आवश्यक है। सम-विचार के लागों के सम्पर्क से नई शाखा का निर्माण किया जा सकता है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अजीतभाई शाह ने रीजनल कार्यक्रमों की घोषणा की। समूहगान नागपुर (विदर्भ प्रान्त), भारत को जानो (मुम्बई, महाराष्ट्र कोंकन), महिला सम्मेलन क्षेत्रीय अधिवेशन (कच्छ सौराष्ट्र), प्रौढ़ साधना शिविर (गुजरात उत्तर)। बी.एल. गग्गर ने प्रान्तीय दायित्वधारियों को समूह बैठक में शाखा विस्तार, लेखा, नये एकाउण्ट के नियम तथा सम्पत खुरदिया, राजकुमार भगत, श्री ओ.पी. कानूनगो ने लेखा संबंधी समस्याओं के समाधान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने सम्पर्क की भावनात्मक व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला में प्रवास का नियोजन करने, सम्बद्धता के लिए 5 वर्ष का कार्यकाल तय करने और आर्थिक प्रोत्साहन के समय सीमा बढ़ाने पर बल दिया गया।

कार्यशाला में भूपत भाई सावरिया, विजय भग्गड़, सुरेश पालगार और गीता बेन को व्यवस्था के लिए सराहा गया। समापन अवसर पर श्री दिनेश भाई अमीन, सुरेन्द्र भाई पटेल, जिग्नेश भाई पटेल, डॉ. प्रवण भाई भाउसार और यू.एस. से पधारे भरतभाई अमीन उपस्थित रहे।

Regional Workshop (NE Region): Regional workshop of the region was organized at Sewa Kendra Guwahati. Shri S.R.Pareek national president V.S.Kokje Ex. National President Shri Sampat Khurdia Auditor General of Account graced the event. Six prant attended the workshop. In Manipur state there are seven branches with 200 members Kangla Village is proposed to be adopted for pure drinking water. In Assam there are 19 branches with 900 members. Arunachal Pradesh has one branch in Itanagar with 25 members Tripura has 3 branches with 85 members. Mizoram one branch 30 members. Nagaland 2 branches with. 53 members.

In the workshop issue of branch expansion was discussed and prant organization is becoming stronger Sampat Khurdia ji discussed the matter of account and rules and regulations of parishad. Shri Kokje inspired the delegates came from the whole region. He appealed to delegates to work hard to reform the civil society and poor and needy. Shri Swadesh Ranjan Goswami additional made the arrangement with local team.

वाराणसी (काशी प्रदेश) समर्पण केन्द्र पर सेलेब्रल पाल्सी में मुस्कान और नन्दिनी ने समपर्ण की दीवालों पर बने कार्टून के साथ खूब मस्ती की। मुझे तो बहुत आनन्द आया। आप भी आनन्द लेना चाहते हैं तो आइये समर्पण केन्द्र पर।

रीजनल कार्यशाला पश्चिम का समापन मार्गदर्शन-भार्गव भाई भट्ट

पश्चिम रीजन कार्यशाला में दो दिन तक संगठन के बारे में चर्चा हुई। विस्तार का लेखा जोखा, प्रगति, शाखाओं में गुणवत्ता, प्रवास आदि पर विचार हुआ होगा। कार्यकर्ता निर्माण-कार्यकर्ता विकास, कार्य क्षेत्र का निर्धारण आदि पर चर्चा हुई होगी। सेवा के द्वारा हम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। हम सब एक वैचारिक कुल परम्परा के अंग हैं। परम्परा क्या है? इसका स्मरण करना आवश्यक है। हम इस परम्परा के घटक है (Constituent)। कार्यकर्ता निर्माण यह जैविक प्रक्रिया नहीं है। यह सतत प्रक्रिया है। घटक शब्द को समझना आवश्यक है। नीबू की शिकंजी में नीबू है, पानी है, नमक है, शकर है। यह सब घटक मौजूद है लेकिन इन्हें अलग नहीं किया जा सकता है। यह घटक है। कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया में कुछ अहर्ताएं होनी चाहिए। किसी ऑफिस में नौकरी के लिए कुछ अहर्ताएँ होती है। परन्तु कार्यकर्ता के लिए कोई शर्त नहीं है। कोई शिक्षा, समाज सेवा का अनुभव आदि नहीं है तो भी आप परिषद् में कार्यकर्ता रखते हैं। Process decides the content. Contents decides the product. यहाँ Content के बारे में विचार नहीं करते हैं, वरन प्रक्रिया के द्वारा व्यक्ति को समाजोपयोगी बना लेते हैं। इसलिए यहाँकार्यकर्ता निर्माण की चर्चा होती है। कैसा हा, उसमे योग्यता हो, विशेषज्ञता हो और क्षमता हो (Ability, expertise and efficiency) तो कार्यकर्ता बनता है। हम कार्यकर्ता को उसके शरीर रचना से नहीं देखते, उसका कुछ मन होता है और आगे बुद्धि को देखते हैं। लेकिन वास्तव में वह आत्मा है। आत्मा से तात्पर्य है Conviction and commitment is attached with soul. कार्यकर्ता की योग्यता, विशेषज्ञता और क्षमता को भी पार कर वह आस्था और प्रतिबद्धता (Conviction and commitment) तक पहुँच जाता है। एक सुन्दर सुशील कन्या विवाह होकर कर बड़े घर में जाती है। उसको कोई काम नहीं करना पड़ता। सब सुख सुविधाएँ उपलब्ध है। परिवार के लोग भी उसको कोई काम नहीं करने देते। वह बाजार गई। कोई अनुभव नहीं थां चलते फिरते उसको पता चला कि उसके घर में आग लगी है। भाग कर घर आई तो देखा घर जल रहा है। उसे याद आया कि मेरा बच्चा घर के अन्दर है। वह आग की लपटों में कूद पड़ी। बच्चे को सुरक्षित लेकर बाहर आ गई। जिस कन्या ने कभी कोई काम नहीं किया था, कोमल थी, कोई गर्म बर्तन उठाने के लायक नहीं थी। उसी कन्या ने अपनी योग्यता, विशेषज्ञता और क्षमता की सब सीमाओं को पार कर आस्था और बच्चे के लिए प्रतिबद्धता के कारण यह अजूबा कर दिखाया। कार्यकर्ता में यह प्रतिबद्धता निर्माण करते हैं यह प्रतिबद्धता निर्माण करने का मूल मंत्र यह है कि हम अपने कार्य को ईश्वरीय कार्य मानते हैं। तभी यह प्रतिबद्धता निर्माण होती है। ईश्वर के कार्य के लिए प्रतिबद्धता होती है। किसी अधिकारी या कार्यकर्ता के लिए प्रतिबद्धता नहीं होती है। इस कारण कार्य के लिए अहंकार नहीं रहता। तब कार्यकर्ता के प्रति देखने का दृष्टिकोण बदलता है। कार्यकर्ता को शारीरिक, मानसिक और वैचाारिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए लेकिन सामाजिक रूप से स्वस्थ होना भी आवश्यक है। सामाजिक रूप से स्वस्थ होने से तात्पर्य है Adjustability and adoptability यह सामाजिक स्वस्थता का आधार है। अब ईश्वरीय कार्य करना हो अनुकूलन और समायोजन यह महत्वपूर्ण गुण है। कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया जैविक प्रक्रिया नहीं है। यह आत्मीय प्रक्रिया है। यदि आपको कड़ी धूप में दूर जाना होगा हो साधारणत: नहीं जाएंगे। लेकिन किसी सगे संबंधी अथवा आत्मीय व्यक्ति के दारूण दुख का समाचार मिला तो दौड़ कर जाएंगे। यह आत्मीय भाव है। मन में स्नेह और आत्मीयता हे तो कार्य होगा। वर्षों से हम परिषद् का काम करते हैं। कुछ लग गया है इसी कारण काम करते हैं। परिषद् में परिवार सदस्यता है। कार्यकर्ता निर्माण में आप एक उपादान है। लेकिन आपके परिवार के द्वारा भी कार्यकर्ता निर्माण होता है। ध्येय की व्याप्ति होनी चाहिए। इसे शिवम् भूत्वा शिवम् यजेत्, याने शिव शिव कहते शिव स्वरूप हो जाना। समाज का उद्धार , समाज की सेवा हम सब करते हैं। सेवा के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक जाना पड़ता है। याने नीचे आना पडता है। अहिल्या का उद्धार भगवान राम की चरण रज को स्पर्श से हुआ। भगवान राम वन वन भटके उस पवित्र चरण रज के स्पर्श से अहिल्या का उद्धार हुआ। हमारी उद्धार की यह कल्पना है। हमें यह सब क्यों करना है। भारत माता की जयकार हमारा उद्देश्य है। हमारे लिए भारत माता का स्वरूप क्या है। राम कृष्ण परमहंस काली के उपासक थे। उन्हें काली साक्षात थी। परन्तु स्वामी विवेकानन्द से पूछा आप किस की पूजा करते हो तो स्वामी जी ने कहा कि मैं उस ईश्वर की पूजा करता हूँ जिसको अज्ञानी लोग मनुष्य कहते हैं। कभी होगा क्या भारत माता का साक्षात्कार। जिस परिषद् के साथ हम जुड़े हैं वह भारत माता की खोज का एक अभियान है। उसके साक्षात्कार की संभावना भारत विकास परिषद् के माध्यम से है। गरीब को पांव नहीं है। उसको खोज कर पांव लगाने का उपक्रम हम करते हैं वही है भारत माता का साक्षात्कार। - **भार्गवभाई भट्ट**

रक्त की कमी को पूरा करने में भारत सरकार की नई पहल

रक्त अल्पता के कारण अनेक रोगियों, दुर्घटना ग्रस्त मरीजों, एनीमिया आदि रोगियों को अकाल मृत्यु से जूझना पड़ता है। भारत सरकार ने रक्त की त्वरित उपलब्धता के लिए टोलफ्री 104 नम्बर पर सूचना देकर चार घंटे के अन्दर निकटवर्ती रक्त बैंक से रक्त प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए 450/- रुपये तथा यातायात शुल्क रुपये 100/- देय होगा।

डबवाली, हरियाणा पश्चिम : शाखा द्वारा सरकारी अस्पताल में 85 यूनिट रक्तदान किया गया। विशेष रूप से महिला सदस्यों मनी बेन, सूनीता जग्गा, रेखा मेहता, कलावती विश्नोई सहित आठ महिलाओं ने रक्तदान किया। अध्यक्ष जगत भूषण मिढ़ा तथा राकेश शर्मा ने रक्त का महत्व बताया गया एवं अस्पताल में मरीजों के लिए आयोजित स्थाई लंगर सेवा की प्रशंसा की। बैंक अधिकारी परमजीत कोचर ने गर्मी में रक्त की कमी को पूरा करने के लिए परिषद् का रक्तदान शिविर महत्वपूर्ण है। श्री सतपाल जग्गा ने बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष के.सी. छपौला, कालूराम मेहता आदि उपस्थित रहे।

योगासन (क्रिकेट की दुनिया में)

बात 1999 की है। सचिन तेंदुलकर पीठ दर्द से परेशान थे। मांसपेशियों की चुभन बल्ले की धार को चुनौती दे रही थी। कोई उपाय काम नहीं आ रहा था। तब विकेट कीपर किरन मोरे योग गुरु वी.के.एस. आयगर के पास ले गये। गुरु जी ने मुझे एक सप्ताह अपने पास रखा। योगासनों का अभ्यास कराया। मेरा दर्द ठीक हो गया। 2009 में एक बार फिर पैर में दर्द के कारण समस्या पैदा हुई। डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी। लेकिन पूरी तरह ठीक होने की बात नहीं की। जहीर खान के कहने पर एक फिर मैं गुरु जी के पास गया। आश्चर्यजनक मैं ठीक हो गया और सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ी। क्रिकेट जगत के धुरन्धर विराट कोहली, जहीर खान, राहुल द्रविद, अनिल कुम्बले, मुरलीधरन गुरु आयगर के निर्देशन में निरन्तर योग करते हैं।

मंडी आदमपुर : नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मनोराग शिविर का आयोजन किया गया। कुल 510 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। 47 मरीजों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया। साथ ही काउसिंलिंग द्वारा 10 व्यक्तियों को नशा मुक्ति हेतु प्रेरित किया गया। निहाल सिंह जाजूड़ा, मुख्य अतिथि रहे तथा सदस्यों पे बढ़ चढ़ कर भाग लिया। नागरिक अस्पताल, फतेहाबाद के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद शर्मा व नागरिक अस्ताल हिसार के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद डूडी ने अपनी सेवाएं दी।

नरवाना : शाखा द्वारा वाइब्रेशन थेरेपी, तथा सुजोक एक्यूप्रेशर कैम्प का सात दिवसीय चिकित्सा शिविर लगाया गया। नगर परिषद् अध्यक्ष सुरेश जी पप्पू ने आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर मे सुरेश मित्तल, संजय चौधरी, डॉ. विनोद गुप्ता, डॉ. प्रेम कुमार ने आधुनिक मशीने, सुपरमैट टवीस्टर बॉडी मसाजर मैगनेटिक बेल्ट का उपयोग कर चिकित्सा कीं डॉ. भूप सिंह ने शिविर संचालन किया।

श्री मुकेश भाई (समय प्रबंधन विशेषज्ञ)

समय का प्रबन्धन क्या है। समय की न्यूनतम इकाई की गणना हमने की है। समय के गणनाा से हमें विचार प्राप्त होते है। एक दिन में लगभग 40, 000 विचार आते हैं। समय उपयोग, सदुपयोग और प्रयोग की गणना है। जब हम अपने समय को Beautify करते हैं तब संतोष प्राप्त होता है। एक स्थान पर 100 साधू रहते थे। एक सन्यासी आता देखा परन्तु कोई मिला नहीं एक साधू मिला, पूछा क्यों आये। मैं ज्ञान सीखने आया हूँ। 3 महीने बाद 5 मिनट के लिए आया। व्यस्तता है परन्तु ध्येय निष्ठ जीवन के लिए यह आवश्यक है। समय का खर्च करना ही समय का सदुपयोग है। Life is not a celebration. It is a calibration. Resolve to perform, what you ought to perform to resolve. लोग संग्रह करने वालों को समय को निकालना पड़ता है। I will make time, I will produce time and I will manufacture time. समय अपने आप चलता है, उसमें अपने को ढ़ालना है। इसी से सम्पर्क होता है। सही आदमी को चुनना चाहिए।

गोविन्द सोनीपत, हरियाणा दक्षिण : दिव्यांग सहायता सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत संजय सिंगला, अध्यक्ष ने बताया कि एक 80% दृष्टिविहिन कन्या, गरीब परिवार की शादी में शाखा की महिला संयोजिका शालू त्यागी व अन्य महिलाओं द्वारा आर्थिक सहयोग किया गया। साथ ही गोविन्द शाखा ने दृष्टि विहिन कन्या का उचित आँखों के नि:शुल्क इलाज का संकल्प लिया।

लुधियाना, पंजाब पश्चिम : विकलांग ट्रस्ट द्वारा अप्रैल मास में 5 कैम्प लगाकर 51 कृत्रिम अंग कैलीपर, हियरिंग एड तथा व्हील चेयर बांटी गई। हरी बस्सी में पोलियो ऑपरेशन कैम्प में डॉ. पवन डींगरा सर्जन ने 42 ऑपरेशन सम्पन्न किये। पोलिक्लीनिक में 1225 मरीजों को होम्योपैथी, एलोपैथी, फिजियोथेरेपी, आँख, स्त्री रोग, दन्त रोग की चिकित्सा की गई।

हापुड़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों तथा हृदय रोगियों की जांच के लिए विष्णु मेडिकल एण्ड हार्ट केयर सेन्टर पर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 62 रोगियों का परीक्षण एवं जांचे की गई।

स्वामी श्रद्धानन्द जी!

मुलतान के चौधरी राम कृष्ण ने महात्मा मुंशी राम (स्वामी श्रद्धानन्द) को बुद्ध गाँव में गुरुकुल खोलने के लिए धन, जमीन तथा बंगला दान किया। कुछ साल बाद चौधरी नाराज हो गये और अपनी सम्पत्ति से गुरुकुल हटवा दिया। गुरुकुल वापस दीवान सावन मल के बंगले में चलने लगा।

कुछ समय बाद आर्य प्रतिनिधि सभा ने चौधरी पर हर्जाना दायर किया। पहले तो चौधरी राम कृष्ण पैसे के बल पर मुकदमा टलवाते रहे। लेकिन लाहौर के चीफ कोर्ट ने मुकदमे का जल्द निपटारा करने का आदेश दिया। अदालत ने स्वामी श्रद्धानन्द जी को गवाही के लिए बुलाया। स्वामी जी मुलतान के लिए रवाना हुए। वे इतने लोकप्रिय हो चुके थे कि मुलतान शहर को सजाया गया थां स्वागत द्वार बनाए गये थे। दुर्भाग्य रेल का इंजन खराब हो जाने के कारण वे साढ़े पाँच बजे मुलतान स्टेशन पर पहुँचे। कोर्ट के मुस्लिम युवक न्यायाधीश ने घोषणा कर दी कि जब तक स्वामी जी गवाही के लिए नहीं आयेंगे, अदालत नहीं उठेगी। स्वामी जी अपने प्रशंसकों की भारी भीड़ से होते हुए साढ़े सात बजे कोर्ट पहुँचे। गवाही हुई और आर्य प्रतिनिधि सभा के पक्ष में निर्णय हुआ।

भारत के इतिहास में किस गवाह के सम्मान में अदालत गवाह के आने का इन्तजार करती रही। इसका मूल्यांकन कभी नहीं हुआ। मुस्लिम न्यायाधीश ने जो यश कमाया वह सम्मान का पात्र है। लेकिन स्वामी श्रद्धानन्द जी के जीवन की यह घटना इतिहास का एक स्वर्णिम पृष्ठ है। – **पं. चन्द्र केतु शर्मा**

सिकन्द्रावाद संस्कार : शाखा द्वारा योग शिविर के साथ जिला कारागार में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. संजीव यादव, डॉ. जे.के. सिंह, डॉ. मंजू, डॉ. सुधीर, डॉ. अनिल, डॉ. राजकुमार, डॉ. वी. सिंह ने मरीजों की जांच की।

साहिबाबाद विराट : शाखा द्वारा स्थाई रूप से होम्योपैथिक औषधालय के संचालन के साथ मुरादनगर प्राथमिक पाठशाला में विद्यालय उपयोगी वस्तुओं की व्यवस्था की जाती है। निर्धन बच्चों की फीस तथा अस्पताल में रोगियों के लिए शीतल जल की सुविधा दी गई है।

कार्यकर्ता की भूमिका

अपना कार्यकर्ता आधारित संगठन है। जितना देश, समाज का चिन्तन होगा उतना ही कार्यकताओं का समर्पण बढ़ेगा। खुशहाल, दुख विहीन समाज को निर्माण करने का हमारा काम है। कहीं कुछ अभाव, कुरीति, कष्ट दिखाई पड़ता है उसे दूर करना हमारा काम है। हमें सर्व व्यापी, सर्व स्पर्शी कार्य पद्धति मिली है। कार्यकर्ता निर्माण की हमारी पद्धति है। प्रवास के समय टोली की निर्माण, टोली का चुनाव किया जाता है। कार्यकर्ता की पहचान करना। हीरे का पारखी होना चाहिए। यह शुद्ध अन्त:करण से हो सकता है। अपनी शैली के द्वारा तकनीकी विशेषज्ञता का निर्माण किया जाए। पोप के अनेक वर्ष पहले भारत आने पर सब धर्म श्रेष्ठ है, सब धर्म बराबर है। यह बोलना स्वीकार नहीं किया। ईसाइयत को वे श्रेष्ठ मानते है। अपना कार्य भारत विकास परिषद् श्रेष्ठ है, विचार श्रेष्ठ है। यह वैचारिक श्रेष्ठता का उदाहरण है। कार्यकर्ता में आदर का भाव Commanded it is not demanded. यदि हम में कुछ देने की क्षमता है तभी आदर प्राप्त होता है। संगठन का प्रभाव बनाने के लिए सम्मान अर्जित करेंगे। यह कार्यक्रम के आधार पर प्रभाव निर्माण की प्रक्रिया है इसे पहचानना चाहिए। –**सुरेश जैन**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री

सम्राट मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : शाखा द्वारा जैन कन्या इन्टर कॉलेज में दन्त एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गयां शिविर में 550 मरीजों की जांच की गई। डॉ. अनिल जैन, पंकज शर्मा, डॉ. मयूर ने जांच पूरी कीं डॉक्टरों ने नेत्र रोगियों को लेटकर न पढ़ने, निरन्तर कम्प्यूटर न चलाने तथा कम रोशनी में न पढ़ने की हिदायत दी। श्रीमती रीना, मोनिका, प्रधानाचार्या डॉ. कंचन

प्रभा ने सहयोग किया। अंसारी रोड पर जल सेवा शुरु की गई। संयोजक सुनील गर्ग रहे।

बड़ौत : शाखा द्वारा सुभारती मेडिकल कॉलेज में दो नेत्रदान कराये गयें श्रीनिवास जेन आयु 78 वर्ष, कैलाश चन्द्र जैन आयु 84 वर्ष का नेत्र दान सम्पन्न हुआ। शाखा की नई टीम में श्री आलोक कुमार जैन अध्यक्ष, अनुराग जैन सचिव तथा विवेक जैन कोषाध्यक्ष चुने गयें श्री नरेश गोयल, प्रान्तीय अध्यक्ष ने शपथ दिलाई। नवीन शाखा छपरौली का गठन हुआ। श्रीमती नीता दुबलिस, प्रान्तीय महासचिव ने शपथ दिलाई। ठंडे पानी के लिए 50 घड़ों का वितरण किया गया।

हाथरस, ब्रज प्रदेश : शाखा द्वारा दन्त परीक्षण शिविर का आयोजन शर्मा डेन्टल क्लीनिक पर सम्पन्न किया गया। डॉ. योगेश शर्मा ने नगर के निकटवर्ती क्षेत्रों से आये 70 मरीजों का परीक्षण किया। डॉ. सुरभि शर्मा ने शिविर में सहयोग किया।

कैसा था हमारा बचपन

- जब हम शर्ट में हाथ छुपाते थे और कहते फिरते थे मैंने अपने हाथ जादू से गायब कर दिये।
- जब हमारे पास चार रंगों से लिखने वाला एक पेन हुआ करता था और हम सब रंगों के बटन एक साथ दबाने की कोशिश करते थे।
- जब हम दरवाजे में पीछे छुपते थे ताकि अगर कोई आए तो उसे डरा सके।
- जब आँख बन्द करके सोने का नाटक करते। ताकि कोई हमें गोद में उठाकर विस्तर तक पहुँचा दे।
- सोचा करते थे कि ये चांद हमारी साइकिल के पीछे-पीछे क्यों चल रहा है।
- जब on/off वाले बिजली के बटन को बीच में अटकाने की कोशिश करते थे।
- फलों के बीज को इस डर से नहीं खाते थे कि कहीं हमारे पेट में पेड़ न उग आये।
- जन्मदिन सिफ इसलिए मानते थे कि ढ़ेर सारे गिफ्ट मिले।
- फ्रिज़ को धीरे से बन्द करके यह जाने की कोशिश करते थे कि इसकी लाइट कब बन्द होती है।
- सच बचपन में यह सोचते थेकि हम बड़े क्यों नहीं हो रहे हैं।
- और अब सोचते है कि हम बड़े क्यों हो गये। **-आज की पीढ़ी को समर्पित**

गुरुकुल हरिद्वार, उत्तराखण्ड पश्चिम : शाखा द्वारा हंस फाउण्डेशन आई केयर द्वारा नेत्र जांच शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. ओ.पी. वर्मा ने 459 मरीजों का परीक्षण किया। 25 रोगियों के ऑपरेशन किये गये। इस शिविर में डॉ. ओम प्रकाश बर्मन, डॉ. सरिता, डॉ. अवन्तिका, डॉ. हिमानी, डॉ. विशाल, डॉ. अतुल चौहान, नेहा मलिक का विशेष सहयोग रहा।

देहरादून : मुख्य शाखा द्वारा सुभारती अस्पताल के सौजन्य से विशाल नि:शुल्क चिकितसा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 923 मरीजों की जांच तथा परीक्षण किया गया। 155 मरीजों की शुगर जांच की गई। व्हील चेयर, ट्राईसाइकिल, क्लचेज, वाकिंग स्टिक, कैलीपर, हियरिंग एड तथा 274 चश्में बांटे गये।

साक्षी बने!

यदि आप आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। प्रियजनों के व्यवहार से पीड़ित हैं। शारीरिक रोग से लाचार हैं सामाजिक रूप से आपको कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन विभिन्न प्रकार से अपमानित होना पड़ता है। किसी प्रकार की अती हो गई है। असफल हो गये है। किसी प्रियजनों का वियोग हो गया है तो भी - आपकी सुख शान्ति के सभी रास्ते बन्द नहीं हुए हैं।

इस विषम परिस्थिति में अपने मन के अन्दर उठने वाले सवालों का सूक्षमतापूर्वक निरीक्षण कीजिए। इस स्थिति के साथ स्वयं को जोड़ देने के बदले उससे अलग होकर निरपेक्ष भाव से उसका अवलोकन कीजिए। आप पायेंगे कि ये विषम परिस्थितियाँ आपके अन्दर त्याग, तप, सहनशीलता, अहं, शून्यता, समर्पण, उदारता, अनासक्ति और वैराग्य जैसे दिव्य गुणों को विकसित करने में बहुत सहायक होंगे। - योगांजलि से साभार

गया, मगध बिहार : शाखा द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में डॉ. अभय सिम्बा (नेत्र रोग), डॉ. संजीत प्रकाश (दन्त रोग

ने विद्यार्थियों तथा अध्यापकों का परीक्षण विवेकानन्द सेकेण्ड्री स्कूल में सम्पन्न किया गया। अध्यक्ष वी.के.शर्मा की टीम ने व्यवस्था संभाली। डॉ. अभय सिम्बा ने सामान्य स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की।

पटना विकलांग न्यास, दक्षिण बिहार : पोलियो करेक्टिव सरजरी के क्षेत्र में पटना का भारत विकास परिषद् विकलांग अस्पताल बड़ी भूमिका निभा रहा हैं अबतक 1791 मरीजों के ऑपरेशन हो चुके हैं। डॉ. एस.एस.झा की टीम प्रतिमास शिविर लगाकर ऑपरेशन करती है। शिविर गणेश खेतड़ीवाल के परिजनों के आर्थिक सहयोग से सम्पन्न हुआ।

सितारगंज, उत्तराखण्ड पूर्व : शाखा द्वारा मेडिसिटी के सौजन्य से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। रोशनलाल अग्रवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष ने उद्घाटन किया। रुद्रपुर से आये डॉ. रतनक रतन, डॉ. शैलेन्द्र मैसी ने 386 मरीजों का परीक्षण किया। शुगर जांच, ई.सी.जी. की नि:शुल्क जांच की गई। शिविर की सराहना की गई। अजीत सिंह रोशन तथा सचिव इन्द्रेश प्रताप सिंह ने व्यवस्था संभाली।

सुविचार-

एक दिन एक व्यक्ति ऑटो से स्टेशन जा रहा ळाा। अचानक एक कार पार्किंग से निकलकर रोड पर आ गई। ऑटो वाले ने तेजी से ब्रेक लगाया। कार टकराते बची। कार चालक गुस्से से लाल पीला हो कर भला बुरा कहने लगा। जबकि गलती कार चालक की थी। ऑटो चालक ने कोई गुस्सा नहीं किया और क्षमा मांगकर आगे बढ़ गया। ऑटो में बैठे व्यक्ति को गुस्सा आ रहा था। उसने पूछा तुमने उसे ऐसे ही क्यों जाने दिया। उसने तुम्हें भला बुरा कहा, जबकि गलती उसकी थी। छोड़िये बाबू जी! हमारी किस्मत अच्छी थी वरना उसकी वजह से हम अस्पताल में होते। साहब! बहुत से लोग कूड़े की ट्रक की तरह होते हैं वे बहुत सारा कूड़ा लेकर अपने दिमाग में चलते हैं जिन चीजों की जीवन में कोई जरूरत नहीं होती। उसे मेहनत करके जोड़ते रहते हैं। क्रोध, घृणा, चिन्ता, निराशा आदि। जब उनके दिमाग में कूड़ा अधिक हो जाता है तो इधर-उधर दूसरो पर फेकने का मौका ढूढ़ते हैं ऐसे लोगों से मैं अपने को दूर ही रखता हूँ और मुस्करा कर उन्हें अलविदा कह देता है। मै। सोचता हूँ कि जिन्दगी बहुत खूबसूरत है। इसलिए जो हम से अच्छा व्यवहार करते हैं उन्हें धन्यवाद। जो अच्छा व्यवहार नहीं करते उन्हें मुस्करा कर माफ कर दो। सभी मानसिक रोगी अस्पताल में ही नहीं होते कुछ हमारे आस-पास, खुले में भी घुमते रहते हैं। - **राम अग्रवाल**

वीर तात्याटोपे शिवपुरी, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा सी.आर.पी.एफ. अस्पताल में रक्तदान शिविर सम्पन्न हुआ। प्रथम रक्तदान शस्त्र बल के आई.जी. श्री पाण्डे जी द्वारा किया गया। 28 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। हैप्पी डेज स्कूल में जूनियर मैथमेटिकल प्रतियोगिता में 250 बच्चों ने भाग लिया। रेणु अग्रवाल ने बच्चों को अवीकस के बारे में बताया। संचालन संगम अग्रवाल ने किया। सोनम, नीतू, सिम्पल, रेणु, शिखा, वर्षा, हर्षा, शशि, रानी, पूनम, आरती, गुंजन उपस्थित रहीं। टोडरमल मार्केट में शीतल जल का प्याऊ लगाया गया। चेयरमैन मुन्ना लाल कुशवाहा ने प्याऊ का उद्घाटन किया। वीर तात्याटोपे के बलिदान दिवस पर प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी गई। मध्यांचल बैंक तथा सदर बाजार पर भी प्याऊ सेवा अनावरण चल रही है।

कैसे से थे वे दिन

50-60 वर्ष पहले गर्मी की छुट्टियाँ आने से पूर्व बच्चों के मन में गुदगुदी होने लगती थी कि इस बार मौसी, नानी, मामी, चाची के घर जाना है, खूब धमाचौकड़ी का आनन्द लेंगे।

जब अपनी उम्र के साथी मिलते तो बड़ा आनन्द आता। कभी कंचे, कभी लट्टू, कभी माचिस की डिब्बियों से सोफासेट, पुराने बल्ब लेकर मनी प्लांट लगाते। सुबह को किसी नदी या तालाब में तैरना, कुँएं के ठंडे पानी से नहाना। शाम होते होते कबड्डी, लुक्का छिपी। आम के बगीचे में छिपकर आम तोड़ना, फिर भागना। घर में आकर पकौड़ी, मिठाईयाँ, मौसमी फल का अनन्द। यही तो गर्मी का आनन्द था।

अब सब कुछ बदल गया है। तेजी से बदल रहा है। मोबाइल, टीवी, के अलावा मॉल संस्कृति ने सब बदल दिया है। एसी, कूलर, वीडियो गेम आदि ने आराम पसंद बना दिया है शहरी जीवन को। लेकिन पहले गर्मी की छुट्टियों का आनन्द ही कुछ और था।

संस्कृति ग्वालियर : शाखा द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सा प्रकल्प प्रारंभ किया गया। डॉ. कल्पना तिवारी के निर्देशन में नि:शुल्क परामर्श तथा दवा प्रदान की जाएगी। फूलबाग चौराहे पर प्याऊ की व्यवस्था की गई। साथ ही पक्षियों के लिए परिन्डे लगाये गये। ज्योति

अग्रवाल और रीता सिंघल ने व्यवस्था संभाली।

तिलक इन्दौर, मध्य भारत दक्षिण : 'वर्ल्ड हैल्थ आर्गनाईजेशन डे' के उपलक्ष्य में रजनीश चौरड़िया, प्रान्तीय अध्यक्ष के सानिध्य में एक रक्तदान समूह की स्थापना की गई। इस अवसर पर शहर के महाराजा यशंवंत राव अस्पताल में शाखा के 5 सदस्यों ने सांकेतिक रूप से रक्तदान कर समूह की शुरुआत की। इस रक्तदाता समूह द्वारा समाज में आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जाएगा।

ऐसा होता है भाषा का स्वाभिमान

तुर्की के राष्ट्रपति एर्डोगन भारत आये। जामिया विश्वविद्यालय ने उन्हें डाक्ट्रेट की मानक उपाधि देने का निश्चय किया। उपाधि प्राप्त कर राष्ट्रपति ने तुर्की भाषा में उद्‌बोधन दिया। अनुवाद की व्यवस्था की गई। पर सफल नहीं हुई। लेकिन वे तुर्की भाषा में बोलते रहे।

इसका उलट उदाहरण बताया महामना पं. मदन मोहन मालवीय के पौत्र, पूर्व न्यायाधीश इलाहाबाद हाई कोर्ट श्री गिरधर मालवीय ने। जर्मनी यात्रा में उनके साथ सचिव स्तर के अधिकारी भी थें जर्मनी में उन्हें किसी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। सचिव अंग्रेजी में बात कर रहे थे। मालवीय जी दुभाषियों की सहायता से हिन्दी में बात कर रहे थे। जर्मनी के आतिथेय ने सचिव महोदय को एक कोने में खड़े रहने को कहा। कुछ देर बाद सचिव से पूछा कि क्या आपको पता है कि आपों क्यों कोने में खड़ा कर अपमानित किया गया है। वास्तव में आपके अन्दर स्वाभिमान नहीं है। आपमें मातृभाषा का गौरव नहीं है। क्या आपकी मातृभाषा अंग्रेजी है। आप अपने राष्ट्र का क्या भला करेंगे। फटकार सुनकर अधिकारी चुप रह गया। -पाथेय कण।

युवा अजमेर, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा चिकित्सा शिविर के आयोजन में 108 रोगियों को कलेडा के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्र शर्मा द्वारा परीक्षण एवं दवा वितरण किया गया। शिविर का आयोजन स्थानीय अंगिरा आश्रम भजन गंज अजमेर में सम्पन्न हुआ।

मदनगंज किशनगढ़ : शाखा द्वारा संचालित फिजियोथेरेपी केन्द्र के संचालन का एक वर्ष का पूरा खर्चा बाबा मिनरल ग्रुप के निदेशक श्री गोपाल गोयल द्वारा प्रदान किया गया। इस केन्द्र का मासिक खर्च रुपये 25000/- है।

माँ अमृतामयी

माँ अपने प्रवचन के बाद शिष्यों को भेंट करती थी। गले लगाती थी। एक दिन बड़ी संख्या में शिष्य साधक उपस्थित थे। माँ बहुत लोग है। हाँ बेटा। सबको मिलेगी क्या। हाँ बेटा। ऐसा करते हैं कि कुछ प्रतिनिधि शिष्यों से मिल लें, नहीं बेटा। तू थक जायेगी माँ। नहीं बेटा। तब माँ अमृतामयी ने कहा। तूने झरना देखा है? हाँ माँ। झरने को बहते हुए देखा है। हाँ माँ। झरने को थकते हुए देखा है क्या?। नहीं माँ। तब अपने शिष्यों से भेंट के लिए थकना कैसा।

आदर्श अजमेर : नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 108 रोगियों को कृष्ण गोपाल ट्रस्ट आयुर्वेद भवन कालेड़ा के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्र शर्मा द्वारा नि:शुल्क जांच व परामर्श सेवाएँ दी गई। शिविर में रामचन्द्र शर्मा अध्यक्ष सहित संदीप गोयल, विभोर गर्ग, धनश्याम जागिड़, रविन्द्र खन्ना आदि उपस्थित थे।

भिवाड़ी, राजस्थान उत्तर पूर्व : शाखा एवं गोपीनाथ हॉस्पिटल द्वारा नि:संतान दम्पतियों के लिए मार्फियस ठकराल अस्पताल द्वारा जर्मन तकनीक से जांच की गई। डॉ. नीरज अग्रवाल द्वारा बोन मिनरल डेन्सिटी की नि:शुल्क जांच की गई। सिटी नर्सिंग होम में शाखा द्वारा स्वस्थ मन व हमारा परिवार विषय पर गोष्ठी सम्पन्न हुई। फोर्टिस अस्पताल गुड़गाँव के डॉ. पुनीत द्विवेदी मुख्य अतिथि ने प्रत्येक उम्र में अवसाद विषय पर विचार रखे। डॉ. सुनिता सिंह ने डाइट हेल्थ और हाइजीन, अर्चना नाकरा ने 'बच्चों के अभिभावकों से आपसी संबंध' तथा तरंग जैन ने बच्चों पर शैक्षिक दवाब पर चर्चा कीं डॉ. पूजा ने नियमित व्यायाम का प्रभाव पर सारगर्भित चर्चा की। पूर्व अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, डॉ. नवनीता, प्रियंका सिंह, शैलेन्द्र सिंह सचिव, राष्ट्रीय मंत्री राकेश गुप्ता तथा डॉ. रूप सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष मनोज जैन उपस्थित रहे।

हम्मीर सवाई माधोपुर, राजस्थान पूर्व : शाखा ने स्थानीय सामान्य चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. आर.एल.मीना सहित रामअतार गौतम, शाखा अध्यक्ष, डॉ. अजनी मथुरिया, राजेश गर्ग, उमेश शर्मा आदि उपस्थित रहे। कुल 31 यूनिट रक्तदान हुआ। जिसमें 20 लोगों ने पहली बार रक्तदान किया था। लगभग 40 लोगों ने शीघ्र

भविष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करने हेतु संकल्प भी लिया।

रावतभाटा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा दत्तोपंत ठेगड़ी भवन प्रताप नगर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें कुल 38 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। अखबारों ने इस जनउपयोगी प्रयास को छापा। शाखा अध्यक्ष एस.पी. जोशी ने बताया कि शाखा का ध्येय इस वर्ष 501 यूनिट एकत्रित करना है।

बधाई

वीर शाखा हिसार के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अभय सिंह यादव को पशु प्रजनन में शोधकार्य के लिए श्री राधेमोहन सिंह, कृषि मंत्री ने कामधेनु पुरस्कार से सम्मानित किया।

सांचोर, राजस्थान पश्चिम : शाखा द्वारा संचालित चैरिटेबल ट्रस्ट के विकलांग सहायता केन्द्र पर 655 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। श्रीमती मफी देवी अजबचन्द्र चन्दन परिवार के द्वारा नि:शुल्क दवाई प्रदान की गई। मई माह में अस्पताल में 384 मरीजों ने फिजियोंथेरेपी सेन्टर का उपयोग किया। 44 दिव्यांगों को सेवा दी गई।

मालवीय नगर, दक्षिण दिल्ली : शाखा द्वारा दात तथा कान रोगों के लिए शिविर लगाया गया जिसमें डॉ. मनीषा तथा डॉ. साक्षी ने परीक्षण किया। कान की जांच अडियोग्राफी मशीन द्वारा की गई तथा मरीजों को सुझाव दिये गये।

नगरौटा बागवां, हिमाचल प्रदेश पश्चिम : शाखा द्वारा आयोजित विकलांग शिविर के अन्तर्गत प्रमिला देवी को कैलीपर, ठाकुर सिंह, पीयूष को पैर, पोलियो रवीन्द्र और हरीश कुमार को उपकरण प्रदान किये गये। रमेश पुरोहित उत्तम चन्द बेलिया, श्री नागपाल आदि उपस्थित रहे। श्रीमती कुशल सूद मुख्य अतिथि रहीं। कुमुद मेहता, नीलम गुप्ता ने शिविर की व्यवस्था संभाली।

संस्कार प्रकल्प प्रभारियों की बैठक

दिल्ली : केन्द्रीय कार्यालय पीतमपुरा, दिल्ली में 4 जून को चार रीजन के रीजनल तथा प्रान्तीय संस्कार प्रकल्प के प्रभारियों की बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में राजस्थान, झारखण्ड, दिल्ली और उत्तरी क्षेत्र व मध्य क्षेत्र के 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री नीरज गुप्ता, जीवनराम गुप्ता, डॉ. तरुण शर्मा, अजय बंसल और डॉ. त्रिभुवन शर्मा ने विभिन्न सत्रों का संचालन एवं मार्गदर्शन किया। समूहगान के अन्तर्गत संस्कृत समूहगान को एक ही टीम के द्वारा गाने का विषय, लय ताल तथा वाद्ययंत्रों के बढ़ते प्रयोग, विद्यालयों में प्रतिदिन गीत गायन के अलावां प्रतियोगिता के कारण विद्यार्थियों की भागीदारी में कमी होने पर चच्रा हुई। भारत को जानो ीपुस्तक के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग की पुस्तकों का प्रकाशन लिखित, ऑनलाइन क्विज के अलावा गुरु वन्दन पर प्रोजेक्टर के द्वारा पावर प्वाइंट स्लाई प्रस्तुत की गई। सत्रों में श्री विनीत गर्ग, सुरेन्द्र कुमार वधवा ने निष्कर्ष एवं चर्चा के सूत्रों पर विचार प्रस्तुत किये। बाल संस्कार शिविर, युवा संस्कार शिविर के आयोजन पर भी बल दिया गया। उच्च शिक्षण संस्थाओं में सेमिनार, वाद विवाद तथा व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयोजन पर चर्चा हुई। सभी प्रतिनिधियों को संभावित रक्तदाताओं के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में रक्तदान अभियान के माध्यम से सम्पर्क करने का आग्रह किया गया। सभी प्रतिनिधियों को रक्तदान अभियान के लिए डाक्यूमेन्ट्री, नुक्कड़ नाटक तथा यूट्यूब, फेसबुक पर अधिकाधिक जानकारी का आग्रह किया गया।

Shivaji Ludhiana, Punjab East : A *Divyang Camp* was organized at Bal Vidya Mandir Chandra Nagar. Artificial limbs and hearing aids were distributed. Mr. Rakesh Panday MLA, Ashwini Sharma counselor appreciated the event and assured help for the event. Neelam Bangia, Sunita Moharia and Pawan Bansal made arrangements.

Nangal : A free medical checkup camp was organized where 150 patients of urology, kidney and urine related diseases were examined and medicines were distributed. Dr. Gyanendra Jerath, Smt. Neelam Kapila president, Shri S.K.Chopra, Smt. Nirmal Puri and many others supported the camp. Ashok Puri Chairman inaugurated the camp.

Panchkula, Haryana North : Balika Vikas Kendra is taking care of the studies of students but also their health checkup. Dr. Suvikram Jyoti an Eye Surgeon checked up the eyes of the students and distributed spectacles.

Odisha : Netra Daan- Brother of Chaila Pradhan met with an untimely death. He voluntarily donated his eyes. It was blessed with the opportunity to give light to two blind people. A five days Bal Sanskar camp was organized at Dadeshpally

village. Story telling yog, Morning Prayer were performed in the camp. Secretary Sushma Jain Siva and Subrat Bhai organized the camp. Vani Bihar branch donated 22 unit of blood in a camp. Sambalpur branch organized shiv vivah and distributed Prasad to 6000 devotees.

रीजनल प्रौढ़ साधना शिविर

रीजन पश्चिम : मुम्बई के प्रसिद्ध राम भाऊ म्हालगी प्रोबधिनी के रमणीय एवं सात्विक वातावरण में अप्रैल, 29-30 को प्रौढ़ साधना शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में महाराष्ट्र, गुजरात एवं अन्य क्षेत्रों के 58 प्रौढ़ों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक व स्वामी कंठानन्द जी ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में परिषद् के उद्देश्यों एवं प्रकल्पों में प्रौढ़ एवं सेवानिवृत सदस्यों की अधिकाधिक सहभागिता पर बल दिया। स्वामी जी ने इस जीवन को सार्थक बनाने हेतु आध्यात्म एवं सेवा भावी जीवन जीने के गुर बताए। अनिल राठी ने आज का जीवन एवं आज की पीढ़ी के साथि ताल मेल के विषय पर बात की। रतन सारड़ ने 'प्रौढ़ हमारी पूँजी-जिम्मेदारी नहीं' विषय पर अमूल्य विचारों से सदस्यों को लाभावित किया। शिविर में लक्ष्मी निवास जाजू, प्रान्तीय अध्यक्ष (महाराष्ट्र मुम्बई) ने सभी का स्वागत किया। माणक डागा, प्रान्तीय मंत्री सहित विद्याधर मोरवाल, आलोक चौधरी, अजितभाई शाह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दत्तात्रेय बाल चितले, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, राजकुमार भगत ने सहभागिता की।

Vanivihar : Branch organized a health checkup camp at Batipadia ex director health checked up the 355 patients and advised the treatments. A blood donation camp was organized at Laxmi Vihar area by Rajdhani Hospital. 21 units of Blood were collected.

Paldi, Gujarat Central : Paldi Viklang centre has sold generic medicines worth Rs. 28 lakh in one year. At Tabibi Sadhna Kendra we have added oxygen concentrated machine worth Rs. 72000/- with an total of 25 such machines and deep freezer for dead body. The branch has started computer class for house wives and senior citizens with a batch of 15 trainers. Now we have started tally computer programme at the center. -Report Upendra Jain

Dhanera, Gujarat North : The branch organized a seven day acupressure treatment camp at Saraswati Hospital. Treatment was given to obesity B.P. Diabetic joint pain, back pain and knee pain nose, ear and eye problems. About 700 patients were given treatment. Only acupressure therapy was given for the above disease. Prant president Arvind Bhai Tuvar, Dr. Lakha Bhai and Satyam bhai Secretary made the arrangements.

***

आओ! ज़रा भारतीय सेना के कुछ संकल्प याद कर लें।

1. मैं तिरंगा फहराकर वापस आऊँगा या तिरंगे में लिपटकर आऊँगा, लेकिन मैं वापस अवश्य आऊँगा।
2. जो आपके लिए जीवन भर का असाधारण रोमांच है वो हमारी राजमर्रा की जिन्दगी है।
3. यदि अपना शौर्य सिद्ध करने से पूर्व मेरी मृत्यु आ जाए तो मेरी कसम है कि मैं मृत्यु को ही मार डालूँगा।
4. हमारा झंडा इसलिए नहीं फहरता कि हवा चल रही होती है ये हर उस जवान की आखिरी सांस से फहरता है जो इसकी रक्षा में अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देता है।
5. हमें पाने के लिए आपको अवश्य ही अच्छा होना होगा। हमें पकड़ने के लिए आपको तीव्र होना होगा। किन्तु हमें जीतने के लिए अवश्य ही बच्चा होना होगा।
6. ईश्वर हमारे दुश्मनों पर दया करें क्योंकक हम तो करेंगे नहीं।
7. हमारा जीना हमार संयोग है। हमारा प्यार हमारी पसंद है। हमारा मारना हमारा व्यवसाय है।
8. यदि कोई व्यक्ति कहे कि उस मृत्यु का भय नहीं है तो वह या तो झूठ बोल रहा होगा या फिर वह इण्डियन आर्मी का ही जवान होगा।
9. आतंकवादियों को माफ करना ईश्वर का काम है। लेकिन उनको ईश्वर से मुलाकात करवाना हमारा काम है।
10. इसका हमें अफसोस है कि देश को देने के लिए हमारे पास केवल एक ही जीवन है।

आओ कुछ हंस लें-

1. **अरविन्द** - इस संसार में सिर्फ एक पानवाला ही सच्चा इंसान है।
   प्रभात - कैसे
   अरविन्द - एक वही है तो पूछ कर चूना लगाता है, बाकी तो बिना पूछे ही चूना लगा देते हैं।
2. **पति-पत्नी** रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था.....
   बॉम्बे मेल।
   पति भागकर गाड़ी में चढ़ गया।
   बीवी से बोला : जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू चढ़ जाना।
3. **भीड़ से भरी एक बस** में विकलांगों की सीट पर एक बोरा रखा हुआ था और उसका मालिक बगल में खड़ा था।
   तभी बगल वाला यात्री चीखा : भाई साहब, बस में इतनी भीड़ है और आप सीट पर बोरा रखे हुए हैं, हटाइए इसको।
   बोरे के मालिक ने कहा : भाई साहब, ये विकलांगों की सीट है और बोरे में लगड़ा आम है।
4. **पति रोज रात** को शक्कर का डिब्बा खोलकर देखता और सो जाता।
   पत्नी से रहा नहीं गया और उसने पति से पूछ ही लिया?
   क्यूं जी ये रोज-रोज आप शक्कर का डिब्बा खोलकर क्या देखते हो?
   पति : अरे डॉक्टर ने कहा है... घर पर रोज रात को शुगर चेक कर लिया करो।
5. **पुराने जमाने में** औरते अपने पति का नाम नहीं लेती थीं।
   दो औरते बात कर रही थी .....
   उनमें से एक औरत के पति का धनिया था।
   पहली औरत : बहन आज खाने में क्या बनाई हो।
   दूसरी औरत : दाल, चावल, सब्जी और रामू के बाप की चटनी...।
6. **ग्राहक** : बेटा तेरे पापा की तो रसगुल्ले की दुकान है,
   तेरा खाने का मन नहीं करता?
   बच्चा : बहुत मन करता है अंकल.....लेकिन पापा गिनकर रखते हैं,
   इसलिए बस चूस कर वापिस रख देता हूँ।
   ग्राहक बेहोश।
7. **एक छोटा** बच्चा दुकानदार से बोलता है।
   बच्चा : अंकल डिटोल का साबुन है क्या?
   दुकानदार : नाक से ऊँगली निकालते हुए, बोला हाँ बेटा है ना'।
   बच्चा : तो फिर हाथ धो के एक क्रीमरोल दे दो।
8. **बेटी ने अपने** ससुराल से अपनी माँ को फोन किया,
   ममी मेरा उनसे झगड़ा हो गया है, मैं 3-4 महीने के लिए घर आ रही हूँ।
   माँ बोली : झगड़ा उस कम्बख्त ने किया है तो सजा उसे मिलनी चाहिए।
   तू रूक मैं ही 5-6 महीने के लिए वहाँ आ जाती हूँ।

रक्तदान महाअभियान (केन्द्रीय निर्देश)

संगठन और प्रकल्पों के बारे में रीजनल कार्यशालाओं में दिये गये निर्देशों का अनुपालन करते हुए इस अभियान के बारे में कुछ सूचनाएँ अपेक्षित है:

1. रक्तदान शिविर के लिए प्रचार सामग्री, पत्रक, बैनर, होर्डिंग का भरपूर प्रयोग करें।
2. नगर की सभी संस्थाओं, धार्मिक, सामाजिक, राजननीतिक, उच्च शिक्षण संस्थानों, बैंक, कार्यालय, रेजीडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन में जागरूकता के लिए सम्पर्क करें।
3. रक्तदान शिविर के लिए जिला स्वास्थ्य अधिकारी, मेडीकल टीम की पूर्व अनुमति लिखित में प्राप्त कर लें।
4. रक्तदान शिविर के साथ रक्तदाता पंजीकरण के लिए रक्त समूह की जांच तथा पंजीकरण फार्म अवश्य रखें
5. स्थानीय एफ.एम., आकाशवाणी के क्षेत्रीय केन्द्रों, केबल टी.वी. पर अभियान का प्रचार करें।
6. रक्तदाता पंजीकरण फार्म का प्रारूप मेल पर निवेदन करने पर प्राप्त होंगा।
7. सभी प्रान्तीय महासचिवों को फार्म का प्रारूप सीधे भेजा जाएगा।
8. स्वैचिछक रक्तदाता पंजीकरण के लिए www.bvpbloodhelpline.org का प्रयोग करें।
9. 1 अप्रैल, 2017 से 30 जुलाई, 2017 तक शाखाश: प्रथम चक्र के रक्तदान शिविरों की संख्या तथा रक्तयूनिट, रक्त बैंक के नाम सहित केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित करें।
10. दूसरे चक्र में 1 अगस्त से 31 दिसम्बर तक की जानकारी देनी होगी।
11. आवश्यकतानुसार अधिक संख्या में रक्तदाता होने पर कार्यालयों अथवा शिक्षा संस्थाओं में भी शिविर लगाना उपयुक्त होगा।
12. रक्त ब्लड बैंक के अधिकारियों से अथवा परिषद् के द्वारा निर्गत रक्तदाता को डोनर कार्ड प्रदान करना चाहिए।
13. रक्तदाता पंजीकरण के लिए नाम, मोबाइल नंबर, स्थान, जिला, प्रान्त, जन्म का वर्ष, रक्त समूह आदि सूचनाएँ अपेक्षित होगी।
14. डाक्यूमेन्ट्री तथा नुक्कड़ नाटक की मीडिया फाइल यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।
15. अभियान संबंधी किसी जानकारी के लिए मीडिया सेल फोन 9810472458 नीति फोन 9415334709 अथवा ई-मेल niti@bvpindia.com, centralmedia@bvpindia.com से सम्पर्क कर सकते हैं। -**नीति डेस्क**

एक ऐतिहासिक पत्र (1934) पिता का पत्र पुत्र के नाम

चि० बसंन्त

यह जो लिख रहा हूँ बड़े होकर पढ़ना, बूढ़े होकर भी पढ़ना। अपने अनुभव की बात कहता हूँ। संसार में मनुष्य जन्म दुर्लभ है। मनुष्य जन्म पाकर जिसने शरीर का दुरूपयोग किया वह पशु हैं तुम्हारे पास धन है, तन्दरूस्ती है, अच्छे साधन है, उनको सेवा के लिए उपयोग किया तो साधन सफल। अन्यथा वे शैतान के औजार हैं तुम इन बातों का ध्यान रखना। धन का मौज, शौक में कभी उपयोग न करना। ऐसा नहीं है कि धन सदा रहेगा। इसलिए जितने दिन पास है सेवा के लिए उपयोग करो। जन कल्याण और दुखियों का दुख दूर करने के लिए करो। धन शक्ति है, इस शक्ति के नशे में किसी के साथ अन्याय हो जाना संभव है। इसका ध्यान रखो कि किसी पर अन्याय न हो। अपनी संतान के लिए भी यही उपदेश छोड़ कर जाओं यदि बच्चे मौज, शौक, ऐसो आराम वाले होंगे तो पाप करेंगे और व्यापार को चौपट कर देंगे। ऐसे नालायकों को धन कभी न देना। इससे पहले जन कल्याण के किसी काम में लगा देना, गरीबों में बांट देना।

हम भाईयों ने अपार मेहनत से व्यापार को बढ़ाया है, तो यह समझ कर कि वे लोग धन का सदुपयोग करेंगे। भगवान को कभी मत भूलना। वह अच्छी बुद्धि देता है। इन्द्रियों पर काबू रखना वरना यह तुम्हें डुबो देगी। नित्य नियम से व्यायाम, योग करना। स्वास्थ्य से कार्य में कुशलता आती है। कुशलताओं से कार्य सिद्धि और समृद्धि आती है। सुख समृद्धि के लिए स्वास्थ्य पहली शर्त है। स्वास्थ्य के अभाव में सुख साधनों का कोई मूल्य नहीं है। भोजन को दवा समझ कर खाना, स्वाद के वश होकर खाते मत रहना। जीने के लिए खाना है न कि खाने के लिए जीना है। -**तुम्हारा पिता-घनश्यामदास बिड़ला**, उद्योगपति

बुलेट समाचार

- जोधपुर शाखा ने 125 परिन्डे पक्षियों की जल व्यवस्था के लिए लगाए।
- संदीपनि और महाकल उज्जैन द्वारा 70 कुपोषित बच्चों के लिए 21 दिन दूध की व्यवस्था की गई।
- छन्नीहिम्मत में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन सम्पन्न हुआ।
- वैशाली के काली मंदिर में बोल्टास का कूलर लगाया गया।
- वेस्ट पटेल नगर शाखा द्वारा रंगोली प्रतियोगिता में 384 बालिकाओं ने 192 रंगोली बनाई।
- चंदी शाखा कटक ने मैराथन धावको को 3000 पानी की बोतल बांटी।
- दारूपल्ला (उडीशा) शाखा ने रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्तदान किया।
- औरैय्या शाखा द्वारा यमुना घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- सोमनाथ से डलहौजी ट्रेकिंग पर जाने वाले बच्चों के लिए परिषद् के श्री पवन पवार और श्रवेश शर्मा ने उत्तम भोजन व्यवस्था कीं धन्यवाद कल्पेश शाह।
- सुभाष उदयपुर ने सेक्टर 5 में जल मंदिर शुरु किया।
- सीतापुर शाखा के सदस्यों ने एक प्रताड़ित विवाहिता की मदद कर उसे घर पहुँचाया।
- बेल्दा गाँव में महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जाता है।
- आगरा की सुरभि शाखा ने शीतल जल का प्याऊ लगाया।
- करीमगंज शाखा द्वारा 11 भाषाई शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।
- सिवानी शाखा ने 2 क्विन्टल दूध की ठंडई निर्जला एकादशी पर बांटी।
- बरवाला शाखा ने 1100 पैकेट जूस निर्जला एकादशी पर बांटे।
- पन्नीवाला रल्दू शाखा द्वारा 41 यूनिट रक्तदान कराया।
- अलीगढ शिवम् शाखा द्वारा गंगा दशहरा के उपलक्ष में शर्बत पिलाया गया।
- सुरभि आगरा ने मीठी शर्बत की प्याऊ लगाई।
- बांसवाड़ा में चिकित्सा परीक्षण शिविर में 60 मरीजों का परीक्षण हुआ।
- मऊ शाखा द्वारा मातृ सम्मान में संघर्षशल महिलाओं का सम्मान किया गया।
- मीरा बीकानेर शाखा ने वृद्धाश्रम में एक अनाथ की मृत्यु पर उसका अंतिम संस्कार कराया।
- महाकौशल प्रान्त के एडवोकेट पुरुषोत्तम कौरव को मध्य प्रदेश का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया। बधाई।
- बालोतरा शाखा सदस्यों ने रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों पर दिन भर 10 हजार लोगों को शीतल जल एवं शरबत पिलाया गया।
- डिडवाना शाखा द्वारा पर्यावरण दिवस पर विद्वान अरविन्द फुले का व्याख्यान हुआ।

योग (एक अनुभव)

जालंधर के सरदार विक्रम सिंह स्वामी दयानन्द सरस्वती से मिलने गये तो विदा लेते समय उन्होंने स्वामी जी से योग शक्ति का प्रदर्शन करने को कहा। स्वामी जी ने अनसुना कर दिया। जब सरदार जी तांगे पर बैठ कर जाने लगे तो स्वामी जी ने तांगे का पहिया हाथ से कस कर पकड़ लिया। गाड़ीवान चाबुक फटकारता रहा बलिष्ठ घोड़े जोर लगाते रहें, लेकिन तांगा एक इन्च भी आगे नहीं बढ़ सका। ऐसी होती है योग की शक्ति।

मध्य भारत उत्तर, भिण्ड : भिण्ड शहर के इन्दिरा गाँधी चौराहे पर सिटी कोतवाली के पास 3.25 लाख रुपये की लागत से अति आधुनिक प्याऊ का लोकार्पण पुलिस अधीक्षक अनिल सिंह कुशवाहा तथा पूज्य 1008 महामंडलेश्वर श्री रामदास जी महाराज के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्ष दीपक भार्गव, श्याम बिहारी शर्मा तथा अश्विनी माहेश्वरी उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष श्री हिमांशु बंसल की टीम ने व्यवस्था संभाली।

एक चेतावनी

ये सेना पर पत्थरबाजी, दुश्मन के झंडे लहराना,
दस-बीस जवानों का अक्सर यों लिपट तिरंगे में आना,
कितने दिन जनता देखेगी, कब तक इसको बहकाओगे।
इन क्रूर दरिंदो पर बोलो गोले किस दिन बरसाओगे।।

कितने अरमानों से सौंपी सत्ता की सभी कमान तुम्हें,
दिल सौंप दिये, सपने सौंपे, सौपे सारे ईमान तुम्हें,
क्या-क्या हसरत मन में लेकर सौपा यह हिन्दुस्तान तुम्हें,
कुछ कसर बची हो तो बोलो सौपें ये अपने प्राण तूम्हें,

अब देखें जो -जो वचन दिए, कितने कर पूर्ण दिखाओगे।
इन क्रूर दरिंदों पर बोलो गोले किस दिन बरसाओगे।।

जन गण के मन को पढ़ो कि क्या इस बार चाहती है जनता,
आतंकवाद का सुदृढ़तम प्रतिकार चाहती है जनता,
नक्सलबाजों पर बम्बों की बौछार चाहती है जनता,
दस के बदले दो सौ लाशें उपहार चाहती है जनता,

इन तोपों के मुँह के छींके जाने किस दिन खुलवाओगे।
इन क्रूर दरिंदों पर बोलो गोले किस दिन बरसाओगे।।

यह मत समझो यह तख्त ताज़ हर बार तुम्हारा ही होगा,,
इस राजमहल की चाबी पर अधिकार तुम्हारा ही होगा,
इस राजमुकुट को छीन धूल में भीड़ पटक भी सकती है,
जनता सिंहासन को पल में हो क्रुद्ध पलट भी सकती है,

आशा है मौसम के रूप को तुम शीघ्र समझ ही जाओगे।
इन क्रूर दरिंदो पर धम-धम बम के गोले बरसाओगे।।

-**बलवीर सिंह करुण**, अलवर

शिवाजी गवालियर : शाखा द्वारा नदी गेट लश्कर रोड में एक वाटर कूलर स्थापित किया गया जिसका उपयोग स्कूल के छात्र कर सकेंगे। गर्मी के मौसम में जल की सेवा अति आवश्यक है। क्षेत्रीय मंत्री सेवा आर.के.चोपड़ा ने जल सेवा की प्रशंसा कीं कूलर की स्थापना स्वर्गीय श्रीमती मालती देवी पत्नी एस.आर. सिंघल की स्मृति में की गई। दो महीने का कौशल विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस नि:शुल्क शिविर में निर्धन बच्चियों को सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटिशियन, मेंहदी आदि विधाएँ सिखाई जा रही है। विजय राज, संयुक्त कलेक्टर एवं एस.डी.एम. ने इसका शुभार।भ किया।

समर्पण ग्वालियर : 30 दिवसीय कुकिंग क्लास की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए समीक्षा गुप्ता महापौर ने कहा कि इस प्रकार के शिविर प्रतिभा निखारते हैं। इस अवसर पर निदेश शुक्ला, शाखा अध्यक्ष सहित अनेक लोग उपस्थित थे। पहले दिन कुकिंग क्लास में बेकरी प्रोडक्ट जैसे केक, चीज़, पैटीज आदि बनाने की जानकारी शेफ अनिल व प्रियचंदा शर्मा ने दी।

मध्य भारत पश्चिम, देवास : शाखा द्वारा योग शिविर का आरंभ महापौर सुभाष शर्मा तथा योगाचार्य डॉ. वी.के. तिवारी ने किया। इसमें अनुलोम, बिलाम, कपाल भाति, भ्रामरी, विवेक मुद्रा, धनुरासन आदि क्रिया करवाई। शिविर 15 दिन चला। योगाचार्य सोनी जी ने प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान किया।

मध्य भारत दक्षिण, तिलक इन्दौर : शाखा की नई कार्यकारिणी का अधिष्ठापन रीजनल सचिव रमन चड्ढ़ा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अजय कामले, अध्यक्ष, महेश अग्रवाल सचिव को रजनीश चौरड़िया शपथ अधिकारी द्वारा शपथ दिलाई गई। रमन चड्ढ़ा ने कार्यशाला भी सम्पन्न कराई। विशेषकर नए सदस्यों को परिषद् के संविधान तथा दायित्वों की जानकारी दी।

राजस्थान दक्षिण, भामाशाह उदयपुर : शाखा द्वारा शीतल पेय जल उपलब्ध कराने के लिए जल मंदिर का शुभारंभ किया गया।

आजाद उदयपुर : भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए शाखा द्वारा पशुओं को पीने की पानी की व्यवस्था की गई। सीमेंट से बनी 50 से अधिक टंकियों का वितरण कराया गया। सदस्यों द्वारा इन पानी टंकियों की स्थापना उदयपुर शहर के निकटवर्ती गाँवों, मुख्य मार्गो आदि स्थानों पर की गई। दीपक शर्मा सहित जगदीश जागेटिया, डॉ. आशुतोष पाण्डया, प्रदीप रवानी, ओम अग्रवाल, कविता जोशी आदि ने इसमें भाग लिया।

सुभाष उदयपुर : शाखा के प्रयासों से पीपलेश्वर मंदिर स्थित कुए में 125 साल के बाद पानी आ गया। इस वर्ष राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन के पास स्थित कुए में रेल वाटर हारर्वेस्टिंग के साथ जोड़ लिया गया। रेलवे स्टेशन के 5000 वर्ग फीट काकार की छत पर वर्षा जल पुनर्भरण का कार्य किया गया। इस कार्य में परिषद् के प्रान्तीय पर्यवरण प्रभारी वरिष्ठ चिकित्सक डा़. पी.सी. जैन का विशेष योगदान रहा। इससे एक वर्ग किलोमीटर भू-जल का संचय होगा।

आओ रक्तदान करें

रक्तदान महादान, इसको करने में है शान।
इंसान तो नहीं बना सकते, जीवन बचना भी है पुण्य का काम।
अपने रक्त से किसी का जीवन चले, इससे बड़ा क्या मानवता का नाम।
मानव जीवन अमूल्य है, रक्तदान बहुमूल्य है।
रक्त का कोई विकल्न नहीं, रक्तदान की संकल्प सही।।
आओ,हम सब मिलके करें रक्तदान।
ताकि किसी जरूरत मंद को मिले जीवनदान।।

-**शुभकरण चौरड़िया**, झारखंड

राजस्थान मध्य, अजमेर : शाखा द्वारा 800 परिन्डे लगाने का संकल्प किया गया। अब तक वैशाली नगर, पार्षद दीपेन्द्र लालवानी, शाखा अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

बिजयनगर : शाखा द्वारा बापू बाजार, कृषि उपज मंडी चौराहों पर तािा औद्योगिक क्षेत्र में जल मंदिर का उद्घाटन किया गयां श्री शिव प्रसाद नागौरी ने जल मंदिर को प्रायोजित किया। भीषण गर्मी में जल सेवा द्वारा प्रान्त जल मंदिरों तथा परिन्डो के द्वारा बड़ी सहायता करता है।

राजस्थान पूर्व, वजीरपुर : शाखा द्वारा पक्षियों के लिए 50 परिन्डे लगाये गये। शीतल जल की व्यवस्था की गई।

भरतपुर : शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. शैलेन्द्र सह प्रान्त प्रचारक ने वंचित वर्ग की सेवा में कठोर परिश्रम करने का आह्वान किया। समाज में दानी लोग सुपात्रों को ही धन देते हैं। अत: परिषद् को अपनी विश्वसनीयता तथा पारदर्शिता से काम करना चाहिए। संस्कारों का घोर आभाव हो रहा हैं अत: संस्कार देकर बच्चों को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करें। मुख्य अतिथि शिव सिंह भोट ने परिषद् को मानव कल्याणी की संस्था बताया। उन्होंने परिषद् के समर्पण की सराहना की। अध्यक्ष गौरी शंकर गर्ग ने प्रहलाद गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, बी.एल. गुप्ता को सदस्यता प्रदान की। प्रान्तीय कार्यशाला में 14 शाखाओं के 76 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। परिषद् की कार्य पद्धति एवं प्रकल्पों के बारे में संयुक्त महामंत्री अरुणा डागा तथा रीजनल और राष्ट्रीय अधिकारियों ने संबोधित किया।

राजस्थान उत्तर पूर्व, लोसल : शाखा द्वारा योग गुरु जयपाल को सम्मानित किया गया। श्री जयपाल ने 2 घंटे 20 मिनट तक शीर्षासन लगाकर गोल्डन बुक में नाम दर्ज कराकर इतिहास रचा। अध्यक्ष अमनोज खेतान और संजय शर्मा ने उनका सम्मान किया।

अलवर : शाखा द्वारा महिलाओं की अभिरूचि तथा लड़कियों के आत्म विश्वास और व्यक्तित्व विकास के लिए 10 दिवसीय शिविर लगाया गया। इसमें कुकिंग, मेंहदी, सिलाई, ढ़ोलक, नृत्य, हस्तशिल्प, जुडो-कराटे, ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षण के द्वारा दिया गया। शिविर में 826 महिलाओं तथा लड़कियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि श्रीमती शशि मिवाड़ी, उपसभापति नगर परिषद् ने प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं की कला को देखकर सराहना की। समापन में हस्तशिल्प, सौन्दर्य विद्या, ढ़ोलक आदि की प्रस्तुतियाँ तथा प्रदर्शनी लगाई गई। श्री अशोक मित्तल, पूर्व अध्यक्ष, डॉ. कुमकुम कपूर, हेमन्त जोशी के मार्गदर्शन में आशा मित्तल और नीना सोनी ने शिविर में अथक परिश्रम किया। च्यवन भार्गव, केदार गोयल ने व्यवस्था संभाली। सुनीता और रितु द्वारा कुशल संचालन किया गयां प्रशिक्षको को सम्मानित किया गया। शाखा ने गर्त वर्षो की भाँति इस वर्ष भी वाद विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई जिसमें डिग्री कॉलेज की छात्रए पक्ष और विपक्ष में अपने ओजस्वी विचार रखे। प्रान्तीय प्रतियोगिता में कैशलेस टेकनॉलोजी, भ्रष्टाचार और कालेधन का प्रभावी समाध ान नहीं है। पक्ष व विपक्ष में 6 टीमों ने भाग लिया। सी.ए. क्रान्ति मेहता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में सविता वर्मा झुनझुनू (प्रथम), कुमारी श्रद्धा बहरोड (द्वितीय) तथा पूर्णिमा पंचोली-अलवर (तृतीय) रही। दिलीप गोयल और डॉ. कुमकुम कपूर के मार्गदर्शन में अनुपमा गोयल आदि उपस्थित रहे। श्री रमन सोनी एवं नीना ने संचालन किया।

भिवाड़ी : राजस्थान के एक प्रमुख औद्योगिक नगर भिवाड़ी में 20 वर्ष से परिषद् का कार्य संचालित हो रहा है। 110 सदस्या परिवारों की शाखा में सीए, डॉक्टर, उद्योगपति, परामर्शदाता सम्मिलित हैं। भिवाड़ी के जनपरिसर के बाहर नेकी की दीवार चर्चा का विषय है। कोई भी व्यक्ति कपड़े अथवा गृहउपयोगी सामग्री वहाँ रख सकता है। आवश्यकतानुसार लोग दीवार पर टंगे कपड़े उपयोग के लिए ले जाते हैं। राजकीय विद्यालय भिवाड़ी में फरनीचर, शौचालय तथा सहायक सामग्री के लिए लगभग 12 लाख रुपये निवेश किया गया है। प्रसिद्ध संत बाबा मोहन राम की पहाड़ी पर स्थित गुफा नगर का एक प्रसिद्ध स्थान है। गुफा के चारो ओर परिक्रमा मार्ग (5 किलोमीटर) का निर्माण, मार्ग पर वृक्षारोपण, नशा मुक्ति तथा पर्यावरण संरक्षण के बोध वाक्य

परिषद् की देन है। प्रतिमास 500 तक भक्त परिक्रमा, पूजन, भंडारा में सम्मिलित होते हैं। व्यवस्थाएँ परिषद् की शाखा द्वारा होती है। पहाड़ी के चारो ओर की गतिविधि से अवैध खनन पर रोक लगी है। सरकारी अस्पताल में जांच केन्द्र, आधुनिक मशीने आदि का विस्तार एवं रख रखाव परिषद् के द्वारा होता है। नगरपालिका के सभापति श्री संदीप दयाभान ने परिक्रमा मार्ग पर शौचालयों के निर्माण का निर्देश दिया। राष्ट्रीय मंत्री राकेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अशोक मित्तल, अतिथि डॉ. एस.एस. अग्रवाल, डॉ. रूप सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष ने शाखा की नई टीम और सदस्यों को शपथ दिलाई। नई टीम में मनोज जैन, शैलेन्द्र सिंह, जे.के.शर्मा ने व्यवस्था संभाली। कुशल संचालन अर्चना जी ने किया। कृति का नृत्य आकर्षक रहा।

ICE (in case of emergency): We save so many mobile numbers in our phone. But at the time of emergency or accident, no one knows about your phone numbers to call. It is advisable to have ICE number in your phone. This may help you to contact right person at the time of emergency. The idea was conceived in the mind of police man, who occasionally faced the problem. During accident he could not trace the right person in the mobile of deceased. So he invented the idea of ICE no. in the phonebook . please keep one or two ICE numbers in your mobile phone. - **Circulated in the public interest**

सागानेर : प्रतापनगर शाखा ने कविता कैंसर केयर सेन्टर में कैंसर पीड़ित बच्चों की काउन्सिलिंग की। बच्चों को विस्कुट, टॉफी बांटी गई। बच्चों ने स्वनिर्मित कार्ड सदस्यों को भेंट किये। रणवीर सिंह त्यागी अध्यक्ष के सदस्यों की टीम ने सहभागिता की।

राजस्थान उत्तर : प्रान्तीय टीम के श्री नृत्य गोपल मित्तल, विनोद आधा, विनोद सेन, दीपचन्द अरोड़ा, श्री पारस गर्ग, का दो दिवसीय प्रवास कार्यक्रम, शाखाओं की बैठक तथा कार्यक्रमों पर चच्रा के रूप में सम्पन्न होगा। लाडनू, कुचामन, नावा, कमराना, डैगाना, जायल, मेड़ता, नागौर, खीवसर शाखा का प्रवास सम्पन्न हुआ।

राजस्थान दक्षिण पूर्व, भगत सिंह कोटा : नवोदित शाखा भगत सिंह का विधिवत गठन किया गया। नवोदित शाखा के पदाधिकारियों पुरुषोतम खण्डेलवाल, को अध्यक्ष, मनोज कोठारी को सचिव तथा सुमन खण्डेलवाल को कोषाध्यक्ष की शपथ कमल सुरेखा, प्रान्तीय अध्यक्ष ने दिलाई। इस अवसर पर मध्य रीजन के चेयरमेन एवं प्रान्तीय उपाध्यक्ष पी.के.जैन एवं श्याम शर्मा राष्ट्रीय मंत्री सम्पर्क भी उपस्थित थे। आपने संगठन विस्तार व सेवा कार्यों को अपने उद्बोधन में महत्व दिया। शाखा द्वारा इन्द्र विहार कॉलोनी में जल विहार वाटिका का शुभारंभ किया गया। मुख्य अथिति राघवेन्द्र काछवाल, डिस्ट्रिक्ट जज ने दीप प्रज्जवलित कर जल वाटिका का शुभारंभ किया।

रावतभाटा : शाखा द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती का आयोजन हुआ। गोष्ठी के आयोजन में प्रताप के जीवन प्रसंगों के बारे में चर्चा की गई कन्हैयालाल सेठिया की राजस्थानी कविता पाथल और पीपल का काव्य पाठ हुआ। अध्यक्ष पी.के.पारीक ने प्रताप की जुड़ी शौर्य गाथाएँ सुनाई। एन.के. कुमारवत, सुदर्शन सिंह ने युद्ध से जुड़ी किवंदन्तियों का वर्णन किया। संचालन ब्रजमोहन नावरिया ने किया।

हरियाणा दक्षिण, सोनीपत : शाखा द्वारा संकट मोचन मंदिर पर भण्डारे का आयोजन किया गया। गोविन्द सोनीपत द्वारा जल सेवा की गई। भंडारे में 3 हजार भक्तों ने प्रशाद ग्रहण किये। संजय सिंगला, अध्यक्ष, विपुल कुच्छल के साथ की पूरी टीम ने 10 से 4 बजे तक निरन्त जल सेवा की।

गन्नौर : शाखा द्वारा छोटी अनाज मंडी के पास राजकीय प्राइमरी स्कूल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय को छः पंखे भेंट किये गये। प्रधानाचार्य डॉ. अत्तर सिंह ने परिषद् पदाधिकारियों का स्वागत किया। शाखा सदस्य डॉ. ए.डी. अत्री, निशा कौशिक, कौशल्या, नैन्सी सहरावत, प्रोमिला, कंचन आदि मौजूद रहे। अध्यक्ष योगेश कौशिक की टीम ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। शाखा द्वारा तम्बाकू निषेध पर विद्यार्थियों से संकल्प कराया गया। 'खुले में शौच मुक्त होकर गन्नौर' रैली निकाली गई। मॉडल संस्कृति स्कूल में दो पानी की टंकी तथा वाटर कूलर लगाया गया।

खरखोदा, सोनीपत : गोविन्द शाखा सोनीपत के प्रयास से खरखौदा में एक नवोदित शाखा का शुभारंभ कराया गया। शाखा के सदस्यों को शपथ प्रान्तीय पाध्यक्ष महेन्द्र भारद्वाज तथा संगठन मंत्री शमशेर प्रकाश गोयल द्वारा दिलाई गई। शाखा में सत्यदेव पराशर अध्यक्ष, सुनील गर्ग सचिव तथा शिव प्रकाश सैनी को कोषाध्यक्ष की शपथ दिलाई गई। इस दौरान गोविन्द शाखा सोनीपत के अध्यक्ष संजय सिंगला, संगठन सचिव शालू त्यागी, प्रवीण वर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गोविन्द सोनीपत : हनुमान महोत्सव के अवसर पर गोहाना रोड स्थित संकट मोचन मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद् गोविन्द शाखा ने विशाल भंडारे में शुद्ध पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

हरियाणा उत्तर, माधव करनाल : शाखा द्वारा

आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल हरियाणा आचार्य देवव्रत ने कहा कि आज के समय में मनुष्य स्वयं के हित के लिए दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने पर उतारू हैं। मानव वहीं है जो दूसरों के दुख को अपना दुख समझे और दूर करने की कोशिश करें हमें अच्छे संस्कारों का निर्वाह करते हुए मानव कल्याण के काम करने चाहिए। भारत विकास परिषद् मानव कल्याण के श्रेष्ठ काम कर रही है। अत: दयालू और परोपकारी लोगो को परिषद् के साथ जुड़ कर काम करना चाहिए। इस अवसर पर 5 लड़कियों को साइकिल, महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीन तथा स्कूली बच्चों को बर्दी प्रदान की गई। डॉ. पूनम शर्मा अध्यक्ष, मंजू शर्मा सचिव, सुमित गुप्ता कोषाध्यक्ष और ए.के.महेन्द्र को प्रभारी बनाया गया। राज्यपाल महोदय ने गुरु नानक विद्यालय की प्रधानाचार्या को बर्दी भेंट की। एस.डी.एम. योगेश कुमार उपस्थित रहे।

कर्ण करनाल : शाखा द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस पर कला प्रतियोगिता सम्पन्नहुई। तम्बाकू निषेध पर बच्चों ने अपने विचार खुल कर रखे। महिला संयोजिका श्रीमती गर्ग ने धूमपान के दुष्प्रभाव पर जागरूकता किया। कृतिका वत्स, बिन्दू खुराना, रंजना, वीना सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। श्रीमती सापना विदानी, राजेश नागपाल, गोपल वत्स उपस्थित रहे।

दयानन्द अम्बाला : शाखा द्वारा आर्यपुत्री पाठशाला में कॉपी वितरण, राजकीय स्कूल में नेत्र जांच, 100 पक्षियों के लिए परिन्डे, विद्यालय में पंखा और टंकी, के.पी.ए.के. विद्यालय में नेत्र जांच, खालसा स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन, जैन मॉडल स्कूल में दांत, आँख की जांच की गई। 18 प्रकल्प एक मास में किये गये। श्री अंकुर गोयल जी परिषद् प्रभावी कार्यक्रम का असर होता है। गिनती करने के लिए इतने अधिक कार्यक्रमों में सदस्यों की सहभागिता और सेवा प्राप्त करने वाले बच्चों का बड़ा कार्यक्रम प्रभावी होता भविष्य में ध्यान रखे।

अम्बाला सदर : शाखा द्वारा पोलिथिन हटाओ पर्यावरण बचाओ के अन्तर्गत कपड़े के थैले बांटे गये। गंगा दशहरा पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। एम.के. शर्मा, आर.जी.गर्ग श्रीमती एकता वर्मारूचि अत्री तथा बच्चों का उल्लेखनीय योगदान रहा। अध्यक्ष पंकज वर्मा ने तम्बाकू उत्पादों से बचने तथा कैंसर के खतरे से आगाह किया। ईट भट्टा मजदूर वर्ग के बीच नशीले पदार्थों पर रोक लगाने का संकल्प लिया गया। विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

हरियाणा पश्चिम, मंडी डबवाली : बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर शाखा द्वारा पक्षियों की प्यास बुझाने हेतु 100 से अधिक पात्र नगर में अनेक स्थानों पर लगाये गये।

अवध प्रदेश, सीतापुर : शाखा द्वारा नगर के प्रमुख क्षेत्रों में शीतल जल की व्यवस्था की गई। नागरिकों ने इसका स्वागत किया।

रायबरेली : शाखा द्वारा कमला कृष्ण हासनी धर्मार्थ चिकित्सालय के भूखण्ड पर राम स्वरूप कक्षा का निर्माण किया गया। उद्घाटन अवसर पर सुन्दरकाण्ड पाठ और कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर की अनेक सामाजिक संस्थाएँ उपस्थित रहीं।

नानपारा-बहराइच : जिले के फूलरेकरा गाँव में लगी भीषण आग से गाँव का जीवन तथा सम्पति तहस नहस हो गई थी। इसमें अग्नि पीड़ित 230 परिवारों को प्राइमरी स्कूल में शिविर लगाकर परिषद् सदस्यों ने राशन आवश्यक वस्तुए, कपड़े तथा राहत सामग्री का वितरण किया गया। अध्यक्ष प्रकाशवीर गुप्ता व अनेक सदस्य तथा मदनलाल अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष उपस्थित रहे। राहत सामग्री वितरण में नवावगंज पुलिस प्रशासन में भरपूर सहयोग दिया।

फैजाबाद : नवीन शाखा के द्वारा उत्साही सदस्य परिवारो की ओर से पय्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गयां तुलसी के पौधे वितरित किये गये। अध्यक्ष प्रभात टंडन की टीम ने सक्रिय भाग लिया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश : सक्रिय एवं जागृत प्रान्त के रूप में 28 मई को (1) मोदी नगर शाखा द्वारा बालिकाओं को मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शुरू किया गया। (2) क्रांसिंग रिपब्लिक शाखा द्वारा नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ। (3) गुलावटी शाखा ने चिकित्सा जांच शिविर लगाकर रोगियों की सेवा की। (4) पिलखुआ शाखा द्वारा बस स्टैण्ड पर रूह अफजा शर्बत का वितरण किया गया। (5) वैशाली शाखा द्वारा मंदिर में वाटर कूलर स्थापित किया गया। (6) खुर्जा स्थित परिषद् कन्या विद्यालय का 12वीं का परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा। (7) हापुड़ शाखा द्वारा सात दिन के अभिरूचि एवं हस्तशिल्प प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। (8) प्रान्तीय टीम ने लोनी, ट्रांनिका सिटी, मंडोला शाखा के कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया।

वैशाली : मार्शल आर्ट 'जीत क्वान्डो' आत्म रक्षा शिविर का आयोजन सेन्ट्रल पार्क, सेक्टर-4 वैशाली में शाखा द्वारा किया गया। शाखा सचिव नीना अवस्थी ने बताया कि क्षेत्र की महिलाओं, बच्चिों तथा बच्चों को आत्म रक्षा एवं मनोबल विकास के लिए चार दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। प्रत्येक दिन लगभग 110 से 140 बच्चे, युवा व महिलाओं का उनकी आवश्यकतानुसार, आत्मरक्षा, किक, पंच, सेफ्टी का प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों की टीम द्वारा दी गई। समापन कार्यक्रम श्याम बिहारी, प्रख्यात समाजसेवी द्वारा किया गया। डॉ. सपना बंसल, मीनू श्रीवास्तव, रवि कटेत, सोनिया सिंह, सविता बजाज, डॉ. अमिता यादव ने शिविर

संचालन में मुख्य भूमिका निभाई। नव गठित कार्यकारिणी ने 'जल मंदिर' सेवा कार्य के अन्तर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, मण्डोला-गाजियाबाद, सरस्वती विद्या मंदिर, गदाना, गाजियाबाद, सार्वजनिक स्थान सेक्टर-4 काली मंदिर पर शीतल जल हेतु वाटर कूलर लगाया गया। इस कार्य में विशेष योगदान पंकज त्यागी, कोषाध्यक्ष, संतोष मिश्रा, अमित बुधिया, संजय सिंघल का रहा।

शक्ति-गाजियाबाद : शाखा द्वारा आसरा अनाथाश्रम में बच्चो को भोजन करया गया तथा एक माह की भोजन सामग्री प्रदान की गई। नीरु सिंघल जी गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करती है। स्टेशनरी तथा नोट बुक दी गई। श्री श्री रविशंकर जी के राजनगर स्कूल में बच्चों का मेडिकल चेकअप कराया गया। गौ ग्रास एकत्र कर गौशाला भेजना शाखा का स्थाई कार्यक्रम है। अध्यक्ष कुमकुम वर्मा, सचिव चारु गुप्ता ने सहयोग किया।

हस्तिनापुर, संकल्प मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा गौ सेवा हेतु चारा, भूसा, चोकर प्रदान किया गया। मधुमेह जांच शिविर लगाया गया। 175 लोगों की जांच हुई। निर्धन महिलाओं को सिलाई मशीन दी गई।

मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस पर डॉ. राजीव कुमार संरक्षक रेडक्रास सोसायटी तथा भारत विकास परिषद् के साथ राज क्लिनीक पर पोस्टर एवं स्लोगन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय बुढ़ाना में तम्बाकू के दुगुणों के बारे में जानकारी दी गई।

बड़ौत : शाखा द्वारा हिन्दू नव वर्ष मनाया गया। नगर में जगह-जगह बैनरों के माध्यम से बधाई संदेश दिया गया। गौशाला में गायों की सेवा की गई। अप्रैल माह में 27 यूनिट ब्लड जरूरमंद लोगों को उपलब्ध कराया गया।

अभिनव मेरठ (विकास रत्न) : सत्र 17-19 हेतु वार्षिक चुनाव व दायित्व समारोह किया गया। चुनाव अधिकारी शरत चन्द्रा द्वारा डॉ. अल्का गुप्ता को अध्यक्ष, डॉ. शुभम त्यागी, सचिव, दुलीचन्द उपाध्याय को कोषाध्यक्ष चुना गया तथा सविता मित्तल को मलिा संयोजिका मनोनित किया गया। वर्षभर में किये गये कार्यों का लेखा जोख प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज से पधारे डॉ. जी.एल. निगम, विभागाध्यक्ष, शरीर विज्ञान तथा डॉ. बी.डी. पाण्डे, वरिष्ठ चिकित्सक ने उपस्थित जनसमूह व सदस्यों को देहदान संकल्प लेने संबंधी जिज्ञासाओं का निराकरण कर नेत्रदान व देहदान हेतु प्रेरित किया। उक्त मार्गदर्शन से प्रेरित परिषद् परिवार के जिले सिंह वर्मा, बी.डी. शर्मा, आशा शर्मा, इकराम सिंह, सुनील उजलायन ने देहदान संकल्प पंजीकृत कराया। आगामी वर्ष में अपने अनेक सेवा कार्यों के अन्तर्गत नेत्रदान, देहदान, विद्यादान, वस्त्रदान सरीखे कार्यों व कार्यक्रमों को वरीयता देने का संकल्प लिया।

उत्तराखण्ड पश्चिम, क्लेमेन्ट टाउन-देहरादून : शाखा द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता में 20 विद्यालयों के 125 छात्रों ने प्रतिभाग किया। विजेता छात्रों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री आर.सी.सक्सेना तथा श्रीमती विजयलक्ष्मी अग्रवाल सचिव ने व्यवस्था संभाली।

रुड़की समर्पण : शाखा द्वारा बलदाइगल ग्रामीण क्षेत्र में सिलाई केन्द्र का संचालन किया जाता हैं केन्द्र पर 25-30 लड़कियों को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाता है। अनीता गुप्ता, फरहा मलिक और रश्मि जैन, अल्पना का सहयोग रहता है।

ब्रह्मावर्त, जसवन्त नगर समर्पण-इटावा : शाखा द्वारा 11 कन्याओं का सरल विवाह सम्पन्न कराया गया। कमला वाटिका में आयोजित समारोह में नगर के दान दाताओं ने सहभागिता की। नगर भ्रमण में शोभा यात्रा पर नगरवासियों ने पूष्प वर्षा की। सचिव धर्मेन्द्र सोनी, पुनीत गुप्ता, प्रभारी, मथुरा प्रसाद गुप्ता ने सभी व्यवस्थाओं को संभाला। प्रान्तीय तथा रीजनल अधिकारी उपस्थित रहे।

कायमगंज : शाखा द्वारा गंगा दशहरा पर स्नार्थियों को बड़ी संख्या में पूरी कचौड़ी तथा छाछ पिलाई गई। गंगा स्नान के तीर्थयात्रियों की सेवा का यह धर्मार्थ आयोजन था। सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया।

रुहेलखण्ड, अमरोहा मैत्री : शाखा के आतिथ्य में प्रान्म की नवीन कार्यकारिणी का अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। डॉ. कावेरी सक्सैना द्वारा नेत्रदान एक आवश्यकता विषय पर प्रचलित भ्राँतियाँ एवं जिज्ञासा समाधान किया। तदुपरान्त सभी सदस्यों को नेत्रदान हेतु फार्म वितरित किये गये। उपस्थित सदस्यों को नेत्रदान विषय की जानकारीसमसामयिक लगी व उन्होंने डॉ. कावेरी का धन्यवाद किया।

ब्रज प्रदेश, अलीगढ़ : शाखा द्वारा रामलीला ग्राण्ड अंचल ताल अलीगढ़ में तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया। प्रान्तीय अध्यक्ष जे.पी. गुप्ता ने सिगरेट, बीड़ी, पान मसाला, गुटका तम्बाकू खाने से गला तथा मुँह के कैंसर का जिक्र किया। अध्यक्ष डॉ. गिरीज किशोर, श्री वल्लभ दत्त गौड, धर्मेन्द्र वार्ष्णेय उपस्थित रहे। शाखा दायित्वधारियों का दायित्वग्रहण समारोह में निवर्तमान सचिव अनूप गुप्ता ने वर्ष भर का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने परिषद् के समर्पण भाव से किए जा रहे जनउपयोगी कार्य की चर्चा व प्रशंसा की। केशवदत्त गुप्ता ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ दी। बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में अलीगढ़ रेलवे

स्टेशन के सामने मीठी शर्बत प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉ. बिशन बहादुर सक्सैना, जे.पी.गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

काशी प्रदेश, वाराणसी सिटी : शाखा द्वारा तीन सार्वजनिक स्थानों पर 'जल सेवा' कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सुदीप टंडन, प्रान्तीय अध्यक्ष, सुनील सिन्हा, प्रान्तीय महासचिव तथा आनन्द अग्रवाल कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। परिषद् परिवार के बच्चें द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन पर आधारित बेहतरीन प्रस्तुतियाँ की गई। पिछले सत्र के पुरस्कार वितरित हुए। नइ टीम का दायित्वग्रहण नीलकण्ठ तिवारी, राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने कराया। चन्द्रकला पांडिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

महाराष्ट्र कोंकन: मुम्बई सेन्ट्रल शाखा द्वारा वर्ष 2016-17 में सम्पन्न सेवा कार्यों का सारांश - शाखा द्वारा कैंसर रोगियों को 50 रोगी किट भेंट की गई। किट में रोगियों के लिए आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। निर्धन बच्चों को त्योहारों पर मिठाई वितरण किया गया। विद्यार्थियों को नोट बुक वितरण, तुलसी पौधों का वितरण, दिव्यांगों को व्हील चेयर प्रदान की गई। खाद्यान, कम्बल वितरण, गर्मी में शतल जल का कूलर स्थापन किया गया। बोरीवली शाखा द्वारा सूखा क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता, पुस्तकालय में फर्नीचर प्रदान, साई बाबा नगर में शौचालयों का निर्माण किया। दहानू आश्रम शाला निर्माण में 10 लाख रुपये, 35 जोड़ों का विवाह। लाइब्रेरी स्थापना। बसई शाखा द्वारा तुलसी वितरण, 11 जोड़ों का विवाह। वासी शाखा ने 14 जोड़ों का विवाह, 1500 तुलसी वितरण, दीपावली पर मिठाई वितरण। मलाड पश्चिम द्वारा सरल विवाह 10 जोड़ों का चिकित्सा शिविर । 5000 दर्जन नोट बुक पुस्तकों का वितरण आदि। सेवा कार्यों में बालवन्दे, पालघर, बलनाय, मलाड, फिल्म सिटी शाखा के सेवा कार्य अगले अंक में।

उत्तर दिल्ली, प्रशान्त विहार : शाखा द्वारा दिल्ली में भीषण गर्मी से तत्कालिक राहत देने के उद्देश्य से रविवार को पी. वी.आर. रोड पर 2000 लोगों को नीबू की शिकंजी का वितरण किया गया। शाखा अध्यक्ष मनीष भल्ला, अशोक गोयल ने व्यवस्था संभाली।

झारखण्ड, रांची : शाखा द्वारा ग्राम विकास के अन्तर्गत नचियतू गाँव में एक भूगार्भिक जल की गहरी बोरिंग कर जल के स्रोतों का उपयोग प्रारंभ किया। ग्राम में 7 राजकीय नलकूप उपलब्ध है। लेकिन पानी की समस्या के कारण परिषद् द्वारा समाधान किया गया। इस अवसर पर मुखिया अजय कच्छव तथा संकरा मुन्डा ने एक डिसमिल भूमि उपलब्ध कराई। इस अवसर पर पी. के. पाण्डेय, पुष्पा वारबला, राम बाबू, प्रवीण आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उत्तर बिहार, मधुबनी : परिषद् की मुख्य शाखा मधुबनी एवं अभ्युदय मधुबनी शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 5 जून को स्थानीय सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल में पर्यावरण दिवस पर परिचर्चा आयोजित किया गया जिसमें स्कूल बच्चों सहित राष्ट्रीय, प्रान्तीय, शाखा दायित्वधारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता की।

पंजाब पूर्व, खरार (मोहाली) : शाखा द्वारा दो स्कूलों के छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। छात्रों को स्टेशनरी तथा पुस्तकें प्रदान की गई। कुल 40 छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

मनीमाजरा : मधुमेह की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। लोगों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए शिवांलिक पार्क में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गयां लगभग 150 लोगों ने इस शिविर में भाग लिया। नि:शुल्क शुगर जांच कराई व मधुमेह संबंधी जानकारी ली।

पंजाब पश्चिम, सुखदेव-लुधियाना : शाखा द्वारा लुधियाना में भव्य भजन संध्या तथा हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चुने हुए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। नई टीम ने पूर्व निष्ठा लगन का संकल्प लिया।

शहीद सुखदेव-लुधियाना : शाखा द्वारा जगरावपुल पर लगे राजगुरु, सुखदेव, भगत सिंह की मूर्तियों पर फूल आलाएँ अर्पित की गई। देशभक्ति के गीत गाये गये व मिठाई बांटी गई। क्रान्तिकारी के जीवन पर लिखित पुस्तकों का वितरण किया गया।

चण्डीगढ़ : चण्डीगढ़ में सम्पन्न प्रान्तीय कार्यशाला में 18 शाखाओं के 120 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में नव निर्मित प्रान्त में शाखा विस्तार के साथ नवीन व्यवस्था के अनुसार संस्कार, सेवा और सम्पर्क प्रकल्पों के अन्तर्गत प्रकल्पों के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला में डॉ. अशोक गर्ग, राकेश सहगल, शीमा जोशी तथा हरेन्द्र गुप्ता ने अपने-अपने विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा प्रतिनिधियों के जिज्ञासा समाधान किया। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री हंसराज नारंग ने अध्यक्षीय उद्बोधन एवं स्वागत भाषण दिया। प्रकल्पों के क्रियान्वयन हेतु प्रतिनिधियों को पी.पी.टी. के द्वारा दृश्य प्रदर्शन किया गया। कुल 17 विशेषज्ञों ने कार्यशाला में विषय प्रस्तुत किये। महासचिव तिलकराज वधवा ने धन्यवाद दिया।

हिमाचल प्रदेश पश्चिम, नगरोटा बागवां : प्रान्तीय कार्यशाला में परिषद् के कार्य विस्तार को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उत्तर रीजन के रीजनल सचिवों ने

संगठन, संस्कार, सेवा विषयों पर चर्चा की। प्रान्त का लक्ष्य निधारिण किया गया। कार्यशाला में कुल्लू, मंडी, बैजनाथ, पालमपुर, उन्ना, धर्मशाला, नगरोटा, हमीरपुर, कांगड़ा के सदस्यों ने भाग लिया। प्रान्तीय अध्यक्ष हरीश चावला के साथ टीम ने कार्यशाला की व्यवस्था संभाली।

Haryana North, Panchkula : Branch organized a press conference at Parishad Bhawan. A message was conveyed through media about various social projects undertaken by the branch i.e. education, health, computers training, skill development. K.L.Goyal, President apprised reports about various Parishad activities and shored the activities calendars. Under "Sahyog" a book distribution function was organized. . Books were distributed to very poor and needy about 227 students of 7 Govt schools of District Panchkula. N. K. Kapoor was the convenor of the " Sahyog " project.

Chandigarh, Chandigarh South : Bhajan Sandhya and installation ceremony was organized by Distt. South Chandigarh at Shri Ram Mandir Dharamshala. Rakesh Sehgal, National Secretary, North, H.R. Narang, Prantiya President were present. It was enjoyed by 200 families. One member of each branch from South I to IV were honored for there kind service to the society. Subsequently oath taking ceremony to the new team held in presence of president & Vice President of Prant.

Assam, Karimganj : 156th Birth Anniversary of Gurudev Rabindra Nath Tagore was celebrated at Sambhu Sagar Park, Karimganj on 9 May. President, Secretary and members paid floral tribute to the great legend.

Patharkandi : The branch organized an Atma Darshan programme at Kanai Lal Jev Ashram. Shri Krishnendu Pal local MLA and large number of guardians citizens and elite class of the town attended the programme. 80 students of the Ashram recited twelfth chapter of Bhagwat gita and organized Dance and Patriotic songs. Chief Guest appreciated the programme and donated Rs. 50000/- to Parishad activity.

Punjab West, Dr. Kitchlu Ludhiana: One computer and Rs. 6000/- was donated to H.P.P. High School and School fee for needy students. 100 students attended Bal Sanskar Camp. Principal Sanjeev Thapar exhorted the students to lead a hard work and disciplined life. Neelam Gupta Regional Secretary Sewa expressed the views against drug addiction and female foeticide, curse of dowry. Shri Arun Puri I/C Ludhiyana BVP referred to save water cleanliness. GVCA was organized at Govt. Model School PAU. Prof. DRC Bekhelia spoke on Guru ki Mahima. 10 teachers and 10 students were honoured. 100 earthen disc were distributed for conservation of Berd fauna. Dr. M.L. Sharma convened the project medical checkup and blood test was done and Shaiwal H. School Dr. Arun Mitra with Rohit Lal and other technician helped in the camp. Alka Mehan principal was the chief guest.

Delhi West, Janakpuri B-Block : Organized Samuhik Saral Vivah for 10 couples Smt. Neeru Mahajan of Jugnoos group. Vivah was conducted with all rituals and Vedic mantras. A block Janakpuri branch conducted a Bal Sanskar Camp. The branch honoured senior citizens above 70 years. Sri Govind Ram ji ex. principal talked about national heroes like Hakikat Rai and Bhagat Singh. C2 Janakpuri branch donated sewing machine to poor and needy women to support 4 children.

Janakpuri Main : A Bal Sanskar Shivir was organized at Sanatan Dharam Mandir. Veena Sharma Municipal counselor inaugurated the camp. 92 students participated in the camp and got the training of Yoga Pranayam, by G.B.Sharma Yogacharya. On the concluding day Swami Gopalanand Saraswati was honored.

Delhi South, Alaknanda : 8 poor and disabled couples were tied in the marriage ceremony organized by BVP. Alaknanda branch. Couples were traditionally welcomed with Tilak and completed ceremony with ved mantras. Each couple was gifted all necessary household material of a family with clothes, kitchenware bedding and usable articles. Brides were gifted with Saris, Salwar – suits, a jewelry, mangal sutra, and make up box. Shri Suresh Jain N.O.S., Smt. Meenakshi Lekhi M.P. Subash Bhadana counselor appreciated the celebration. Smt. Shashi Azad and the whole team of Delhi South prant participated with full enthusiasm.

Uttakhand West, Majra Niranjanpur-Dehradun : The branch planted the saplings of Malberry and other fruits in the premises of Riverain Public School Brahaman Dehradun, R.S.Gupta president, Dr. TPS Chauhan, Dr. Ramakant assisted in the plantation, and Principal Manju Sharma gave a scientific talk on this occasion.

Avadh Pradesh, Faizabad : A branch at Faizabad was inaugurated by Shri K.D.Gupta and R.B. Srivastav with Mukesh Jain, Nisha Jaiswal, S.N.Gupta. Charter was given to Dr. Sita Ram Agarwal President and Secretary Prabhat Tandon. Congrates to Faizabad team.

Jharkhand : Workshop was organized at DVC training institute Chandrapura. 46 delegates from 15 branches attended the workshop. Smt. Geeta Patnayak and P.K. Ambastha spoke on BVP. Philosophy and utility of workshop. Sewa an important tool was presented by Deepak Rooiya. Shri Choradia pointed out the issues of active branches. Vistar sanskar account keeping and mahila sahabhagita were also discussed in the workshop.

Odisha, Bhubaneswar : On the eve of world environment day the branch started plantation of flowering plants at VSS Nagar High School. Dr. M.P. Raot president and his team Dr. Jyotsna Mohapatra Mrs.Kanaklata Mishra with Anupama Nanda head mistress attended the function BVP and ladies club organized mahila Sahbhagita Dr. Shruti Mohapatra, Smt. Shubha Shree Das Prof. Jayanti were the guest speaker, Nillee Challoji and Geeta Raot. Sangeeta Das. Speakers narrated about the involvement of women in cultural social and traditional making a healthy nation. About 150 delegates attended the meeting.

Karnataka South, Parashara Bangalore : Organized a Mass marriage in association with Shri Raman Halli Sewa Trust Karnatak. 26 couples were married on this occasion. Patron Shubram Shetty assured a donation of Rs. 10000 for branch which organized this programme.

Maharashtra Konkan, Film City : Fed green grass to Vageshwar Ashram. Deep boring in Musal Pada School. Check done at Kasera Ghat. Repaired 14 toilets and urinals. Water availability at Latur for Rs. 85000. Grin donation to blinds. Notebook distribution to Malad and Goregaon, free notebook leggings lunch packets training for teachers. Library grants, Sewing machine, computers, Old clothes, sweater distribution were held in the branch.

WORLD ENVIRONMENT DAY - A SOURCE OF INSPIRATION

World Environment Day was concept of invited nations for worldwide awareness of environment. It was first celebrated on 5 June 1974. Later on worldwide seminars and celebration were started in different corners of the earth, giving human approach "only one earth" since these many organization started activities on environment with a single theme "save environment".

In these last few years environment has been subjected to natural as well as manual pollution to the extent that life on the earth is the danger. Major reasons may be global warming. So the UNO has decided to mark world environment day (5 June) to give suitable platform to all concerned to save earth from pollution and make environment friendly to all.

This year 2017 the theme is connecting people to the nature. Now we can save our motherland as well as entire earth by doing mass plantation. As trees are the source of oxygen which is lifesaving source not only to the human being but to all living organisms. So let us do plantation for welfare of humanity. This may be our pledge to "world environment day".

--**S.B.Saraswati**. Sr. Research Scientist,Former Prant Vice President, Uttrakhand

बोध कथा

प्रसिद्ध इंजीनियर वैज्ञानिक विश्वेश्वरैया मैसूर राज्य के दीवान थे। वे एक गाँव के दौरे पर गये। दिन भर किसानों की समस्याएं सुनी, समाधान किया। शाम को गाँव के पटेल के घर भोजन किया। फिर अपने थैले से दो मोमबत्ती निकाली और जलाकर सरकारी फाइले निपटाने लगे। काम समाप्त हुआ। फाइले बस्ते में रख दी। मोमबत्ती बुझाकर थैले में रख दी। फिर दूसरे थैले से दो मोमबत्ती निकाली। मोमबत्ती जलाकर उपन्यास पढ़ने लगे।

पटेल यह सब देख रहा था। उसने पूछा दीवान जी यह मोमबत्ती जलाना बुझाना कुछ समझ में नहीं आया। विश्वेश्वरैया ने कहा भाई! पहले मैं सरकारी मोमबत्ती जलाकर सरकारी काम कर रहा था। बाद में निजी मोमबत्ती जलाकर मैं उपन्यास पढ़ रहा था। यह मेरी निजी काम है। निजी काम के लिए सरकारी मोमबत्ती का उपयोग ठीक नहीं।

अपनेपन का अहसास

पापा मुझे चोट लग गई है। खून आ रहा है। 5 साल के बच्चे की आवाज सुनकर पापा सब छोड़ कर भागे। गोदी में उठाकर भागे भागे क्लिनिक पहुँचे। दूकान, कैश का काउण्टर सब नौकर के भरोसे छोड़ आये। डॉक्टर के केबिन में पहुँचे। डॉक्टर साहब देखिए क्या हो गया है। डॉक्टर - घबराने की कोई बात नहीं! मामूली चोट है। पट्टी बाँध देता हूँ, दो चार दिन में ठीक हो जाएगी। पर डॉक्टर साहब रात को नीद तो आ जाएगी, दर्द तो नहीं होगी। कुछ पेन किलर दे दीजिए। घर पहुँचे तो नौकर बोला आपकी महंगी शर्ट में खून लग गया है। अब यह साफ नहीं होगी। ऐसी शर्ट बहुत आ जाएगी। तू कुछ सुखे मेवे ले आ। मैं घर जाता हूँ।

40 साल बाद -

दूकान शो रूम में बदल गई। बेटा बखूबी बिज़नेस संभाल रहा है। भाई साहब घर पर ही रहते हैं। तभी घर से बीबी का फोन आता है। पापा पलंग से गिर गये हैं। सिर से खून निकल रहा है। बेटा बोला-कई बार कहा कि जमीन पर सोया करो, मानते ही नहीं, पलंग पर ही सोयेंगे। अरे रामू काका जल्दी से पापा को डॉक्टर अंकल के पास ले जाओ, मैं वहीं पहुँचता हूँ। बूढ़े हो चुके हैं रामू काका। रिक्से पर लेकर डॉक्टर के पास पहुँचे। बेटा अभी भी नहीं पहुँचा था। फोन किया तो बताया कार की चाबी नहीं मिल रही। कुछ कस्टमर भी हैं। इन्तजार करों, मैं आता हूँ। जो दूरी 40 साल पहले बाप ने 10 मिनट में पूरी की थी, बेटा 1 घण्टा 10 मिनट में पहुँचा। डॉक्टर बोले खून बहुत बह गया है। एडमिट कर देते तो अच्छा होता। बेटा - अरे नहीं डॉक्टर साहब ड्रेसिंग कर दो जल्दी ठीक हो जाएंगे। डॉक्टर ने कहा ठीक है, कुछ दवाईयाँ लिख देता हूँ, महंगी है। जल्दी घाव ठीक हो जाएगा। अरे डॉक्टर साहब महंगी दवाईयों की क्या जरूरत। मैं निकलता हूँ, शो रूम में कोई नहीं है।

और तब डॉक्टर के सब्र का बांध टूट गया।

उसने 40 साल पहले की घटना सुनाई! बेटे की आँखों से आंसू बहने लगे। उसे बहुत पश्चाताप हुआ। तभी बहू का फोन आया-वो महंगा कालीन खून से खराब हो गया है, क्या करूँ। बैटा बोला कालीन ही खराब हुा है। नया आ जाएगा। तुम पलंग पर नया गद्दा, चादर डालो मैं पापा को लेकर आ रहा हूँ। पापा की आँखों में आंसू आ गये-लेकिन यह खुशी के आँसू थे। चोट का दर्द गायब था। बेटे को अपनेपन ने सब भूला दिया। बस अब मौत भी आ जाए तो ठीक है। मित्रों माँ, बाप अकेले जी रहे हैं। बेटा कामयाबी और दौलत की चकाचौध में खोकर सब भूल चुका है। आज हमारे अन्दर का इंसान मर चुका है। - **दीपक**

धर्मात्मा

आदि काल में एक महात्मा हुए - भार्गव। इनके लाखो अनुयायी थे। भगवान विष्णु के बहुत बड़े भक्त थे। वे हमेशा उनकी भक्ति में लीन रहते थें जब महाराज भार्गव का अंतिम समय आया तो भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन देकर पूछा ''मैं आपकी भक्ति से बहुत प्रसन्न हूँ। अत: आपकी जो इच्छा हो उसे आप मुझे बताए, वह पूर्ण होगी। तब महाराज ने हाथ जोड़कर विनती की और कहा भगवान इंसान की इच्छाएँ तो अनन्त है जिसकी पूर्ति कभी नहीं हो सकतीं फिर मैं तो एक महात्मा हूँ। यदि मुझे कोई वरदान देना ही है तो ऐसा वरदान दीजिए कि मैं इस संसार को हर पल कुछ न कुछ देता रहूँ और प्रत्येक जीव-जन्तु, जड़-चेतन के भीतर धड़कता रहूँ। मृत्यु के बाद भी मेरा शरीर दूसरों की सुख सुविधा के लिए काम आए। तब भगवान विष्णु ने उन्हें पेड़ बनने का वरदान दिया और कहा तुम्हारी प्राणवायु से ही इस संसार में जीवन सम्भव होगा तथा तुमसे बड़ा धर्मात्मा इस संसार में कोई दूसरा नहीं होगा। तुम्हारे अनुयायी भी भिन्न भिन्न तरह के पेड़ पौधों के रूप के धारण करके संसार में प्राणवायु का संचार करते रहेंगे तथा तरह तरह के फल फूलों से संसार को महकाते रहेंगे। भवान अर्न्तध्यान हो गये। इस प्रकार महात्मा भार्गव ने दूसरों के हित के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। - **भीम सिंह नेगी**।

TO EDITOR NITI

I am daughter in law of Mr. Madhu Sudan Maheshwari. We received the monthly publication Niti, which is an extremely knowledgeable resource. But unfortunately no body in our family is able to devote time to read except me. Poonam writes